卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐जय बाबा की 卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 119 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦4 फरवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

देश में खुशहाली लायेगा आम बजट: धामी

हल्द्वानी में सीएम ने गिनाई बजट की खूबियां, मातृशक्ति और युवाओं को मिलेंगे नए अवसर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय बजट 2026 को देश के भविष्य के लिए एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी दस्तावेज करार दिया है। हल्द्वानी के अमनदीप होटल में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के विजन से तैयार यह बजट 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सबसे मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल अंकों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि देश के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का प्रतिबिंब है। प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने बजट के समावेशी स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि इसका सीधा लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए किए गए विशेष प्रावधानों से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और प्रोत्साहन से ग्रामीण युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उल्लेख किया

कि बजट में टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास पर केंद्रित नीतियों का लाभ सीधे तौर पर उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार और हल्द्वानी जैसे तेजी से उभरते शहरों को मिलेगा। रेल और सड़क कनेक्टिविटी में निवेश से राज्य की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी, जिससे पर्यटन और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। मातृशक्ति के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सीएम धामी ने बताया कि देश के हर जिले में महिला छात्रावास (वर्किंग वुमन हॉस्टल) खोलने की घोषणा एक क्रांतिकारी कदम है। इससे बेटियों को शिक्षा और रोजगार के लिए सुरक्षित वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को सीधे बाजार से जोड़ने और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने से 'नारी शक्ति' की आर्थिक भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही, युवाओं के लिए षशिक्षा से रोजगार और उद्यमिताष पर उच्च स्तरीय समिति का गठन उनके कौशल विकास में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड (शेष पृष्ठ सात पर)

तीन नाबालिग बहनों ने छत से कूदकर दी जान

ऑनलाइन गेम की लत और पढ़ाई छोड़ने की बात आई सामने

गाजियाबाद । जिले के टीलामोड़ थानाक्षेत्र की भारत सिटी सोसायटी से एक ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है जिसने न केवल पुलिस प्रशासन बल्कि आम जनता को भी झकझोर कर रख दिया है। यहाँ एक ही परिवार की तीन सगी नाबालिग बहनों ने मंगलवार देर रात टावर बी-1 की नौवीं मंजिल से कूदकर सामूहिक आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में इस खौफनाक कदम के पीछे 'ऑनलाइन टास्क बेस्ड गेम' की लत और 'कोरियन कल्चर' के प्रति गहरा जुनून कारण बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार देर रात करीब

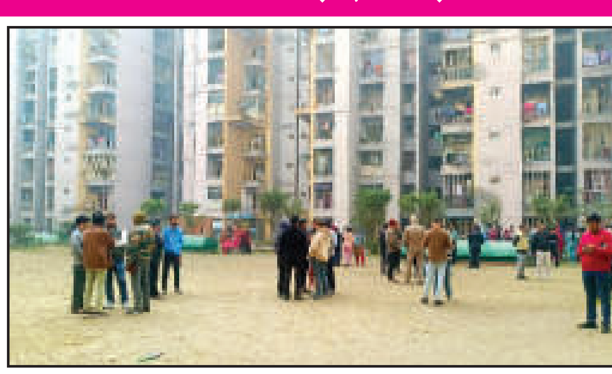

2:15 बजे की है। मूल रूप से दिल्ली निवासी और वर्तमान में ऑनलाइन ट्रेडिंग का काम करने वाले चेतन कुमार अपनी दो पत्नियों और चार बच्चों के साथ पिछले तीन साल से यहाँ किराये पर रह रहे थे। जिस वक्त तीनों बहनों-निशिका (16 वर्ष), प्राची (14 वर्ष) और पाखी (12 वर्ष) ने अपने कमरे की खिड़की से छलांग लगाई, उस समय परिवार के अन्य सदस्य दूसरे कमरे में सो रहे थे। सोसायटी के सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय लोगों ने जब नीचे तीन बच्चियों के शव देखे, तो इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच और मौके से मिले सुसाइड नोट से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। डीसीपी निमिष पाटिल के अनुसार, बच्चियां कोरियन कल्चर से बहुत ज्यादा प्रभावित थीं। पुलिस को संदेह है कि वे 'कोरियन लवर' जैसे किसी टास्क बेस्ड गेमिंग ऐप के जाल में (शेष पृष्ठ 7 पर)

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर व्यवसायी से 28-85 लाख रूपये की ठगी

फेसबुक विज्ञापन पर भरोसा करना पड़ा भारी

रूद्रपुर/काशीपुर (उद संवाददाता)। साइबर अपराधियों ने निवेश के नाम पर धोखाधड़ी का एक नया और बेहद शातिर जाल बुनते हुए काशीपुर के एक व्यवसायी को करीब 28.85 लाख रुपये की चपत लगा दी । ठगी की यह वारदात फेसबुक विज्ञापन से शुरू होकर एक फर्जी व्हाट्सएप ग्रुप और फिर प्ले स्टोर पर मौजूद एक संदिग्ध ऐप के जरिए अंजाम दी गई। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन रूद्रपुर ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी है। ठगी के इस सुनियोजित सिलसिले की शुरुआत दिसंबर 2025 में हुई, जब काशीपुर के ओझान मोहल्ला निवासी एकांत जैन पुत्र स्व. रजत कुमार जैन ने अपने फेसबुक अकाउंट पर शेयर बाजार में निवेश से जुड़ा एक आकर्षक विज्ञापन देखा। विज्ञापन में दिए गए लिंक पर क्लिक करते ही उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप पर रिडायरेक्ट कर दिया गया। इस ग्रुप में ठगों ने एडमिन के रूप में कई मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया था, जो खुद को शेयर मार्केट विशेषज्ञ बताते थे। ग्रुप में एकांत जैन के अलावा (शेष पृष्ठ सात पर)

हल्द्वानी में बड़े भाई ने सगे भाई को पीटकर मौत के घाट उतारा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बरेली रोड स्थित राम मंदिर बगीचा क्षेत्र में देर रात रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक जघन्य वारदात सामने आई है। यहाँ मामूली पारिवारिक विवाद इस कदर हिंसक हुआ कि एक बड़े भाई ने अपने ही सगे छोटे भाई की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी ने न केवल स्टील के भारी लोटे से भाई का सिर और चेहरा छलनी कर दिया, बल्कि उसे तख्त पर पटक-पटक कर तब तक मारा जब तक उसके प्राण नहीं पखेरू हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब 11 बजे की है। आरोपी संदीप

जायसवाल जब घर पहुँचा, तो वह मानसिक रूप से काफी उग्र था। घर आते ही उसका अपने छोटे भाई सोनू जायसवाल (42 वर्ष) से किसी पुरानी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते संदीप का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। परिजनों के मुताबिक, वह पागलों की तरह चिल्ला रहा था कि 'मैं तेरी वजह से बर्बाद हो गया, आज तुझे नहीं छोड़ूंगा।' प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संदीप ने पास में रखा स्टील का एक भारी लोटा उठाया और सोनू के सिर व चेहरे पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। वार इतने घातक थे कि सोनू का चेहरा लहूलुहान हो गया। जुल्म यहीं नहीं रुका, आरोपी ने घायल सोनू को तख्त पर पटक-पटक कर बेरहमी से पीटा। घर में मौजूद अन्य परिजनों ने जब बीच-बचाव की कोशिश की, तो आरोपी ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी। खौफजदा परिजन अपनी जान बचाने के लिए एक कमरे में बंद हो गए और बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। जब मारपीट की आवाजें शांत हुई, तो परिजनों ने किसी तरह अपने परिचितों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुँचते ही आरोपी संदीप जायसवाल (शेष पृष्ठ सात पर)

चार घंटे में घटना का खुलासा

हल्द्वानी । बरेली रोड स्थित राम मंदिर बगीचा क्षेत्र में हुए हत्याकांड का एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी की टीम ने महज 4 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने सगे भाई की हत्या करने वाले आरोपी संदीप जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त स्टील का लोटा और एक अवैध रिवाल्वर मय कारतूस बरामद की है। एसएसपी ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी मनोज कत्याल और सीओ अमित कुमार सैनी के पर्यवेक्षण में कोतवाली प्रभारी विजय सिंह मेहता (शेष पृष्ठ सात पर)

रिटायर्ड शिक्षक से मांगी 15 लाख की रंगदारी

काशीपुर। कुंडा में एसबीआई मैनेजर से रंगदारी मांगने के आरोपों के बीच अब काशीपुर में एक रिटायर्ड शिक्षक से 15 लाख की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।टांडा उज्जैन, गौतमनगर, काशीपुर निवासी मुरारी सिंह पुत्र रामस्वरूप सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह एक सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। उनके मोबाइल पर लगातार धमकी भरे कॉल आ रहे थे और वह कह रहा था कि मैं बृजपाल पुत्र करन सिंह निवासी कुकरझुण्डी, थाना भगतपुर, मुरादाबाद बोल रहा हूँ और उन्हें अंजाम भुगतने की धमकी दे रहा था। मुरारी सिंह ने बताया कि उक्त बृजपाल झूठे आरोप लगा रहा है कि तूने मेरी जमीन बेची है, जबकि जमीन से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें कई माह से धमकी भरी कॉल आ रही है तो उन्होंने धमकी भरी कॉल सुनकर कोई अप्रिय घटना की आशंका के डर से बृजपाल के मोबाइल नंबर को ब्लैक लिस्ट कर दिया। ब्लैक लिस्ट होने पर बृजपाल ने उनके मोबाइल पर धमकी भरे मैसेज व गंदी-गंदी गाली लिखनी शुरू कर दी। मुरारी सिंह ने बताया कि बृजपाल मैसेजों के माध्यम से उनका पता पूछने लगा, मैसेजों का जवाब न देने पर परिवार के प्रति धमकी भरे मैसेज भेजने शुरू कर दिये और मकान का पता न बताने पर उनके मकान का पता लगवाकर मकान की रेकी करने लगा और रंगदारी के रूप में मैसेजों के माध्यम से 15 लाख रुपये की डिमाण्ड करने (शेष पृष्ठ सात पर)

शीघ्र बिकाऊ

भोजीपुरा में नवनिर्मित फार्म हाऊस 13477sqft.
चालू अवस्था में,
दो पोल्टरी शेड एवं एक कमरा,
सोलर पैनल, Generator
एवं लेबर सहित बिकाऊ है।
सम्पर्क करें-9837807946

नाबालिग को ले जाने वाला आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के चंगुल से नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया है और अब दोनों को न्यायालय में पेश करने की वैधानिक प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटनाक्रम की शुरुआत 28 नवंबर 2025 को हुई थी, जब कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी।

लापता किशोरी बगवाड़ा क्षेत्र स्थित एक निजी कंपनी में काम करती थी। परिजनों ने अपनी खोजबीन के बाद पुलिस को तहरीर दी, जिसमें उन्होंने कंपनी में ही साथ काम करने वाले लखबीर सिंह पुत्र प्रदीप, निवासी जनपद गंगानगर (राजस्थान) पर उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का सीधा आरोप लगाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाल मनोज रतूड़ी ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच एसआई प्रियांशु जोशी को सौंपी थी। पुलिस टीम ने सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से आरोपी की तलाश (शेष पृष्ठ सात पर)

अल्पसंख्यक बच्चे अब पढ़ेंगे राष्ट्रवाद की शिक्षा

देहरादून। उत्तराखंड में इस साल जुलाई माह से उत्तराखंड मदरसा बोर्ड खत्म होने जा रहा है। बीजेपी सरकार ने ट्रिपल तलाक कानून,समान नागरिक संहिता कानून को लागू करने के बाद मदरसा बोर्ड खत्म करके एक और साहसिक प्रयोग देवभूमि उत्तराखंड में किया है। उल्लेखनीय है कि पुष्कर सिंह धामी सरकार ने राज्य में मदरसा शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने के लिए मदरसा बोर्ड को ही समाप्त करते हुए आगामी शिक्षा सत्र से सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के छतरी के नीचे एकत्र कर दिया है। अभी तक जो मदरसे चल रहे थे या अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाएं चल रही थी उनका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और उन्हें आगे से प्राधिकरण द्वारा निधारित पाठ्यक्रम ही पढ़ाना होगा और साथ ही उन्हें उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से मान्यता लेनी होगी। इन शिक्षण संस्थाओं को प्राधिकरण के छतरी के अधीन इसलिए पंजीकरण जरूरी किया गया है ताकि वे सरकार की आर्थिक सहायता ,वजीफा आदि ले सकेंगे। अब आगे से मदरसा नाम की संस्थाएं राज्य में नहीं चल पाएंगी। धामी सरकार ने मदरसा बोर्ड समाप्त करने का निर्णय इसलिए लिया था कि उत्तराखंड में सैकड़ों मदरसे बिना सरकार की अनुमति से चल रहे थे और यहां बाहरी राज्यों के मुस्लिम बच्चे लाकर पढ़ाए जा रहे थे। हरिद्वार जिले में बहुत से मदरसे संज्ञान में आए जहां हिन्दू बच्चे भी इस्लाम की मजहबी शिक्षा लेते हुए मिले जिसका संज्ञान राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने लिया था और शासन के उच्च अधिकारियों का जवाबतलब किया था। धामी सरकार ने 227 अवैध मदरसे बंद कराते हुए उनकी तालाबंदी करवा दी थी। इन अवैध मदरसों को कौन फंडिंग कर रहा था,इनके संचालकों का सत्यापन जब हुआ तब सरकार की भी नींद टूटी और उसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहले अपनी कैबिनेट में मदरसा बोर्ड समाप्त किए जाने का फैसला लिया फिर इसे विधानसभा में पारित करवा कर, अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों के लिए नई राष्ट्रवादी शिक्षा व्यवस्था को लागूं कराने का फैसला लिया जिसे राज्यपाल ने भी स्वीकृति प्रदान की। उत्तराखंड की धामी सरकार ने उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है।जिसके अध्यक्ष प्रोफेसर सुरजीत सिंह गांधी को बनाया गया है, प्रोफेसर गांधी सिख समुदाय से है और आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ है। सदस्यों में दो मुस्लिम प्रोफेसर है जोकि अल्मोड़ा में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में कार्यरत है।इनमें डॉ सैय्यद अली हमीद का नाम भी शामिल है साथ ही एक मुस्लिम युवक महिला प्रोफसर रोबिना अमन का नाम भी है। इसी तरह से जैन समाज से डॉ राकेश जैन, ईसाई समुदाय से डॉ एल्बा, बौद्ध समुदाय से पेमा तेनजिन और सिख समुदाय से डॉ गुरमीत सिंह का नाम है। समाजसेवी राजेंद्र बिष्ट और पूर्व प्रशासनिक अधिकारी चंद्रशेखर भट्ट को भी स्थान मिला है,तीन अन्य पदेन सदस्य है जोकि अल्पसंख्यक और शिक्षा विभाग से है । अल्पसंख्यक विभाग के विशेष सचिव डॉ पराग मधुकर धकाते कहते है कि प्राधिकरण का काम अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए सेलेब्स तैयार करना है कि बच्चों को यदि उनके धर्म की शिक्षा देने है तो क्या देनी है ? इस पर उन्हें निर्णय लेना है। बाकि पाठ्यक्रम उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड का पढ़ाया जाएगा । धामी सरकार के इस फैसले का मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष शमूम कासमी ने स्वागत करते हुए कहा है कि अल्पसंख्यक बच्चे राष्ट्रीय शिक्षा पाठ्यक्रम जब पढ़ेंगे तो वे दुनियां की तरक्की के साथ जुड़ेंगे। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स कहते है,यूसीसी, ट्रिपल तलाक के बाद ये धामी सरकार का ऐतिहासिक फैसला है, मजहबी शिक्षा देने वाले मदरसे अब नए जमाने के शिक्षण संस्थानों में तब्दील हो जाएंगे इससे अल्पसंख्यक बच्चों की तालीम में सुधार होगा। अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम ने कहा है कि अब हमारे बच्चे भी अच्छी शिक्षा लेकर देश दुनिया के साथ जुड़ेंगे उन्हें कुछ सालों बाद देश विदेश में नौकरी और कारोबार करने के अवसर मिलेंगे।ये एक ऐतिहासिक निर्णय है जिसके लिए वे धामी सरकार का आभार प्रकट करती है।

क्या पढ़ाया जा रहा है? कौन पढ़ रहा है, कौन पढ़ा रहा है ? मुख्यमंत्री श्री धामी कहते अभी तक ये नहीं पता था कि मदरसों में क्या पढ़ाया जा रहा है? कौन पढ़ रहा है, कौन पढ़ा रहा है ? फंडिंग कैसे हो रही है कोई हिसाब किताब नहीं, सरकार वजीफा दे रही थी कहां जा रहा था पता नहीं।जब जांच पड़ताल हुई तो कई मामले सामने आए। देवभूमि उत्तराखंड में अवैध मदरसे चल रहे थे दो सौ से ज्यादा अवैध मदरसे बंद कराए गए। सरकार ने उसी दौरान फैसला लिया था कि मदरसे बंद होंगे, कोई मजहबी शिक्षा कोई कबीलाई शिक्षा यहां नहीं दे जाएगी। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम से अल्पसंख्यक बच्चे शिक्षा लेंगे ताकि उनका भविष्य संवारा जा सके।अभी तक अल्पसंख्यक परिभाषा में केवल मुस्लिम समुदाय को ही सरकारी सुविधाएं मिलती थी अब,मुस्लिम के साथ साथ जैन,सिख,ईसाई, पारसी आदि सबके लिए बराबरी के अवसर मिलेंगे।

पेंचक सिलाट में रुद्रपुर के जांबाजों का जलवा, 21 स्वर्ण समेत जीते 40 पदक

खेल मंत्री रेखा आर्या ने विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

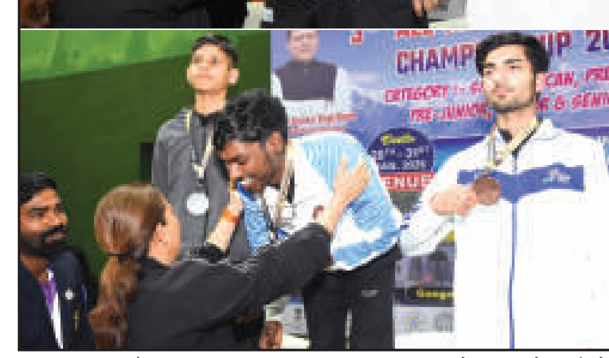

रुद्रपुर। देहरादून के मल्टीपर्पस परेड ग्राउंड में आयोजित तीसरी ऑल इंडिया पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में रुद्रपुर के खिलाड़ियों ने अपने अदम्य साहस और कौशल का परिचय देते हुए पदक तालिका में बड़ी जीत दर्ज की है। रुद्रपुर के बालक-बालिकाओं ने कुल 21 स्वर्ण, 10 रजत और 9 कांस्य पदक जीतकर न केवल जनपद बल्कि पूरे उत्तराखंड का नाम देशभर में रोशन किया है। प्रतियोगिता के समापन पर प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें मेडल पहनाकर सम्मानित किया। पेंचक सिलाट एसोसिएशन उत्तराखंड के महासचिव बब्लू दिवाकर ने बताया कि इस विशाल प्रतियोगिता में 30 राज्यों, 7 केंद्र शासित प्रदेशों सहित सीआईएसएफ, आईटीबीपी और विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमों के 1200 से अधिक खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। कड़े मुकाबलों के बीच सर्वाधिक पदकों के साथ उत्तराखंड ओवरऑल चौंपियन रहा, जबकि जम्मू-कश्मीर को दूसरा और हरियाणा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। खेल मंत्री रेखा आर्या ने इस अवसर पर कहा कि पेंचक सिलाट खेल का भविष्य उज्ज्वल है और उत्तराखंड के खिलाड़ियों का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन उन्हें वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाएगा। रुद्रपुर के गौरवशाली खिलाड़ियों में पिंकी ने प्री-जूनियर में स्वर्ण, प्रतिमा यादव ने जूनियर में स्वर्ण, अनमोल ने जूनियर रेगु में रजत, अतुल ने जूनियर रेगु में रजत, अक्षत ने जूनियर रेगु में रजत, मान्या शर्मा ने टेंडिंग प्री जूनियर गर्ल्स में कांस्य, अदित्या कश्यप ने टेंडिंग जूनियर बॉयज में कांस्य, अनमोल ने टेंडिंग जूनियर बॉयज में स्वर्ण, श्रियांशु पाल ने टेंडिंग जूनियर बॉयज में कांस्य, सुमित कुमार ने टेंडिंग प्री-टीम बॉयज में कांस्य, तन्वी नेगी ने टेंडिंग प्री जूनियर गर्ल्स में रजत, प्राची रावत ने टेंडिंग प्री-टीम गर्ल्स में स्वर्ण, साची गंगवार ने टेंडिंग जूनियर गर्ल्स में रजत, वृंदा राजन ने टेंडिंग प्री-टीम गर्ल्स में रजत, संकल्प ने जूनियर में स्वर्ण, हृदिक यादव ने प्री-टीम में रजत, हर्षिका गौर ने प्री जूनियर में कांस्य, विवान दीपक ने रेगु में रजत, दृशिा सागर ने तुंगल में कांस्य, अगम कुमार ने मैकान में स्वर्ण, समरप्रीत ने प्री-टीम में स्वर्ण, मान्या कोचर ने प्री जूनियर में स्वर्ण, समृद्ध गबा ने प्री-टीम में रजत, मिशिता राव ने रेगु प्री जूनियर में स्वर्ण, आराध्य चौहान ने रेगु प्री जूनियर में स्वर्ण, नंदिनी देव ने प्री जूनियर में स्वर्ण, मनन नेगी ने जूनियर में स्वर्ण, दिवागम सिंह ने जूनियर में स्वर्ण, अंशिका मिश्रा ने जूनियर में स्वर्ण, जेनिका धामी ने जूनियर में स्वर्ण, आशीता नारंग ने प्री जूनियर में कांस्य, आरना अग्रवाल ने प्री जूनियर में कांस्य, अभिनभ अधिकारी ने प्री जूनियर में कांस्य, प्रिंस सिंह ने जूनियर में स्वर्ण, चेतन प्रजापति ने टेंडिंग में रजत, सुनीता भट्ट ने रेगु में स्वर्ण, बृजेश राजपूत ने जूनियर में स्वर्ण, गुरकरण सिंह ने प्री-टीम में स्वर्ण, तनुजा बुंगला ने रेगु में स्वर्ण, चेतन प्रजापति ने सीनियर में स्वर्ण, पूजा मेहर ने सीनियर में स्वर्ण और हर्षिता सक्सेना ने प्रीत तीन में स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है।

किसान मोर्चा ने बजट को बताया 'अन्नदाता' के हित में

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। भाजपा जिला कार्यालय में किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेश बजाज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण परिचात्मक बैठक संपन्न हुई। इस दौरान संगठन के नवनियुक्त प्रदेश और मंडल स्तरीय पदाधिकारियों का भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। बैठक का मुख्य केंद्र केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में प्रस्तुत किया गया बजट रहा, जिसे पदाधिकारियों ने किसान, मजदूर और आम जनमानस के लिए ऐतिहासिक बताया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट देश को आर्थिक ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है। बजट में किसानों के कल्याण के लिए कई दूरगामी और लाभकारी योजनाओं का प्रावधान किया गया है। जिलाध्यक्ष राजेश बजाज ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं की समुचित जानकारी गांव-गांव तक पहुँचाएं ताकि अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर को इसका सीधा लाभ मिल सके। बैठक में बजट की सराहना करते हुए केंद्र सरकार के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव भी पारित किया गया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री तरुण दत्ता, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नरेश हुड़िया और कुमाऊं संयोजक जे.सी. बेदी ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक प्रदीप अधिकारी, प्रदेश मीडिया सहसंयोजक सुनीश चौहान, पूर्व महामंत्री ईश्वरी दत्त पाण्डे, पूर्व जिला मंत्री धीरज सिंह, प्रदेश मंत्री धीरेन्द्र मिश्रा सहित मोर्चा के समस्त मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वोटर लिस्ट से कट सकता है प्रदेश के 19 लाख मतदाताओं का नाम

देहरादून। उत्तराखंड के 19 लाख मतदाताओं पर वोट कटने का खतरा मंडरा रहा है। चुनाव आयोग के लगातार प्रयास के बावजूद यह बीएलओ मैपिंग की प्री-एसआईआर गतिविधि का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। अगर ऐसा ही रहा तो एसआईआर के दौरान नोटिस जारी होने के बाद इनका वोट कट जाएगा। प्रदेश में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से पूर्व प्री-एसआईआर गतिविधियों के तहत बीएलओ मैपिंग का काम चल रहा है। पहले तो उत्तराखंड के उन मतदाताओं की मैपिंग की गई, जिनके या परिवार के वोट 2003 की उत्तराखंड की मतदाता सूची में थे। अब मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने उत्तराखंड में निवास कर रहे उन मतदाताओं की बीएलओ मैपिंग भी शुरू कर दी है, जिनके वोट 2003 में यूपी या अन्य राज्य में थे। प्रदेश में कुल 84,42,263 मतदाता हैं, जिनमें से काफी कोशिशों के बाद 64,63,099 की बीएलओ मैपिंग हुई है। विभिन्न जिलों में 19,79,164 मतदाता ऐसे हैं, जिन्होंने बीएलओ की लगातार कोशिश, चुनाव आयोग की अपील के बावजूद अभी तक बीएलओ मैपिंग का रुख नहीं किया है। जल्द ही एसआईआर शुरू हो जाएगा। इसके बाद सभी मतदाताओं तक बीएलओ के माध्यम से एसआईआर फॉर्म पहुंचाए जाएंगे। जिनकी मैपिंग हो चुकी होगी, उन्हें कोई दस्तावेज नहीं देना। केवल फॉर्म भरकर देना है। जिनकी मैपिंग नहीं होगी, उन्हें 2003 के वोट के दस्तावेज के साथ फॉर्म भरकर देना होगा। नहीं दिया तो एक नोटिस जारी होगा। नोटिस का जवाब न देने पर मतदाता सूची से वोट कट जाएगा।

ट्रांजिट कैंप क्षेत्र से दो किशोरियां लापता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत अलग-अलग मोहल्लों से दो नाबालिग किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई हैं। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरियों की तलाश शुरू कर दी है। पहले मामले में कृष्णा कॉलोनी निवासी ब्रजेश कुमार पुत्र गेदन लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री नैन्सी बीती 2 फरवरी को सुबह करीब 10 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी देर तक वापस न आने पर परिजनों ने उसकी तलाश रिश्तेदारियों और संभावित स्थानों पर की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। दूसरे मामले में राजा कॉलोनी निवासी गंगा स्वरूप पुत्र नारायन लाल ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री रौनक गंगवार बीती 15 दिसंबर को सुबह साढ़े सात बजे घर से कंपनी में काम पर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वह तब से घर वापस नहीं लौटी है।

555 कैंपों में हुआ शिकायतों का त्वरित समाधान

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सुशासन की नई मिसाल पेश की गई है। सरकार द्वारा संचालित 'जन-जन की सरकार जन-जन द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से शासन और प्रशासन सीधे जनता की चौखट तक पहुँच रहा है। 03 फरवरी 2026 तक राज्य के सभी 13 जनपदों में कुल 555 कैंपों का सफल आयोजन किया जा चुका है जिसमें 4.36 लाख से अधिक लोगों ने सहभागिता कर सीधा लाभ उठाया है। इन शिविरों के माध्यम से अब तक 43,032 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 29,042 मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया।अभियान के अंतर्गत केवल शिकायतों का समाधान ही नहीं किया जा रहा है बल्कि लोगों को जरूरी प्रमाण पत्र और योजनाओं का लाभ भी तत्काल उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक 61,460 से अधिक प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं और 2,39,766 नागरिकों को विभिन्न जनकल्याण कारी योजनाओं से जोड़ा गया है। पहाड़ से लेकर मैदान तक प्रशासन की इस सक्रिय मौजूदगी से दूरस्थ क्षेत्रों के निवासियों को तहसील और जिला मुख्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिली है।इस सुशासन मॉडल का सबसे बड़ा लाभ पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं को मिला है। दुर्गम इलाकों में रहने वाली महिलाओं को पेंशन, राशन कार्ड, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। महिला लाभार्थियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा रहा है जिससे उनमें प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, नैनीताल, ऊधम सिंह नगर, हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी सहित सभी जिलों में स्थानीय जरूरतों के हिसाब से कैंप लगाकर समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि सरकार का संकल्प शासन को सचिवालय से बाहर निकालकर अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन-जन की सरकार जन-जन द्वार कार्यक्रम इसी सोच का परिणाम है जिससे विशेष रूप से महिलाओं और दूरस्थ क्षेत्र के लोगों को सशक्त बनाया जा रहा है। सरकार संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन के जरिए उत्तराखंड को सुशासन का आदर्श राज्य बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है।

दो भाइयों पर चाकू और तलवार से किया हमला

खटीमा (उद संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार की देर रात मामूली विवाद के बाद दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। जिसके चलते चाकू और तलवार से किए गए हमले में दो भाई सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आया है जिसमें भीड़ के बीच दो लोगों को तलवार से वार करते और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटते हुए देखा जा सकता है। हालांकि विवाद के कारणों की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। हमले में घायल हुए दो भाइयों की पहचान मो. नावेद व मो.जावेद और एक अन्य निसार के रूप में हुई है। जोकि मूलरूप से इस्लामनगर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए खटीमा नागरिक उप जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर अवस्था को देखते हुए चिकित्सकों ने दो घायलों को उच्च चिकित्सालय हेतु रेफर कर दिया। जबकि एक घायल का इलाज खटीमा अस्पताल में जारी है। घायल भाईयों की माँ ने हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। जानकारी के अनुसार मोटर साइकिल हटाने को लेकर हुई कहासुनी के बाद दो पक्षों में अचानक चाकू-तलवार चलने लगी और एक युवक का हाथ कट गया तो वही दूसरे युवक का पैर कट गया, एक तीसरा युवक भी हमले की चपेट में आकर घायल हो गया। कोतवाल वीरेंद्र शाह ने बताया पुलिस ने घटना से संबंधित कुछ लोगों को चिन्हित किया है। जल्द ही आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। वहीं क्षेत्र की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर उन्होंने वर्तमान समय में होने वाले व्यापार मंडल चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस के द्वारा ज्यादा से ज्यादा गस्त की जाएगी और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। वहीं इस वारदात ने खटीमा की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि 2025 के दिसंबर महीने में खटीमा में तुषार शर्मा की हत्या हुई थी। लोग अभी उसे घटना को भूल भी नहीं थे। जबकि जनवरी 2026 में चाकूबाजी की यह दूसरी बड़ी घटना सामने आई है।

मां के हाथ से पांच साल के बच्चे को उठा ले गया गुलदार

रूद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जनपद के न्याय पंचायत सारी अंतर्गत सिन्द्रवाणी गांव में मंगलवार को दर्दनाक घटना सामने आई है। पांच साल के बच्चे को गुलदार उसकी मां के हाथ से खींचकर ले गया। इसके बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं, बच्चे की तलाश जारी है। ग्राम प्रधान पुष्पा देवी ने बताया कि पांच बजे करीब पांच वर्षीय दक्ष पुत्र हेमंत सिंह अपनी मां के साथ घर के आंगन में था। अचानक गुलदार ने मां के हाथ से झपटा मार कर बच्चे को खींचा और जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद से ग्रामीण बच्चे की तलाश में जुटे हुए हैं। गांव में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य जयवर्धन काण्डपाल ने कहा कि जंगली जानवर और मानव संघर्ष की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई की मांग की गई है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा सर्च ऑपरेशन जारी है और ग्रामीण प्रशासन से मदद की आस लगाए हुए हैं।

सनातन धर्म रक्षा सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सनातन धर्म रक्षा सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर की जा रही हैं इस संदर्भ में शिव सेना का एक शिष्टमंडल ने उत्तराखंड राज्य प्रमुख गौरव कुमार के नेतृत्व में दिल्ली में शिव सेना सांसद एवं राष्ट्रीय सचिव अनिल देसाई से मुलाकात की।शिष्टमंडल ने सांसद अनिल देसाई को कार्यक्रम की जानकारी प्रदान कर उनसे कार्यक्रम व शिवसेना को मजबूत बनाने हेतु चर्चा की। उन्हें कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु निमंत्रण दिया। इस अवसर पर शिव सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि यह सम्मेलन सनातन धर्म की रक्षा, गो माता की रक्षा, और लव जिहाद से युवतियों को बचाने हेतु आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सनातन धर्म के प्रखर वक्ता, साधु संत एवं उत्तराखंड के साथ साथ अन्य कई प्रदेशों से शिव सेना पदाधिकारी एवं शिव सैनिक सम्मिलित होंगे। एवं शहर में एक विशाल भगवा रैली निकाली जाएगी। सांसद अनिल देसाई से मुलाकात करने वालों में शिव सेना उत्तराखंड राज्य प्रमुख गौरव कुमार , प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष हेमंत कुमार भईयू, महानगर महामंत्री दीपक राजपूत, वासु परविंदा, मनीष, महानगर उपाध्यक्ष प्रमोद आर्या सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

शिल्पी से मिले कांग्रेस नेता शाकिर अली

गदरपुर (उद संवाददाता)। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शाकिर अली ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की महासचिव शिल्पी अरोड़ा से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उत्तराखंड युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष शाकिर अली सहित उपस्थित कांग्रेस नेताओं के बीच वर्ष 2027 में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतिक चर्चा हुई।बैठक के दौरान इस मुख्य बिंदु पर मंथन किया गया कि कांग्रेस पार्टी को संगठनात्मक रूप से किस प्रकार और अधिक धारदार बनाया जाए ताकि उत्तराखंड के साथ-साथ गदरपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को ऐतिहासिक विजय दिलाई जा सके। चर्चा के दौरान नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बनी कि बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त करना और अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना वर्तमान समय की मुख्य आवश्यकता है। साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए जनता के बीच पैठ बनाने पर जोर दिया गया।बैठक में उपस्थित सभी नेताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को एक सशक्त विकल्प के रूप में पेश करने का संकल्प लिया। इस दौरान शिल्पी अरोड़ा को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में मिली नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं भी दी गईं। नेताओं ने उनके नेतृत्व पर अटूट विश्वास जताते हुए उम्मीद जताई कि उनके मार्गदर्शन में कांग्रेस संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

ओवर रेटिंग और भ्रष्टाचार, पतन की राह पर आबकारी

बाजपुर ,जसपुर व काशीपुर में शराब कारोबारियों से लाखों की उगाही

काशीपुर। संगठनात्मक जनपद काशीपुर (जसपुर बाजपुर केलाखेड़ा) में अवैध शराब के बढ़ते कारोबार विभागीय मिली भगत एवं नीतिगत विफलताओं के कारण आबकारी (एक्साइज डिपार्मेंट) पतन की राह पर है। बाजपुर से लेकर जसपुर तक बड़े पैमाने पर अवैध जहरीली कच्ची शराब की कसीदगी, तस्करी के शराब की खपत एवं मिलावटी शराब की बिक्री ने आबकारी की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सपना था कि वर्ष 2025 के अंत तक उत्तराखंड राज्य पूरी तरह नशामुक्त हो। सीएम के सपने को साकार करने के लिए शासन व प्रशासन स्तर से पूरी जो आजमाइश की गई लेकिन कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की गलत नीतियों के कारण मुख्यमंत्री के सपनों को पंख नहीं लग सके। काशीपुर क्षेत्र में देसी और अंग्रेजी शराब की लगभग 50 दुकाने हैं। सूत्रों का कहना है कि प्रत्येक दुकान से अनियमितताओं के बदले आबकारी द्वारा सुविधा शुल्क के रूप में 5 से 10 हजार रुपए प्रतिमाह वसूल किया जा रहा है। इसी तरह क्षेत्र के दर्जनों होटल, बार व रिजॉर्ट से माहवार मोटी रकम वसूल की जा रही है। इसी तरह बाजपुर में भी कभी पीआरडी की नौकरी करने वाले दो शख्स आबकारी के लिए अवैध वसूली का कार्य करते बताए जा रहे हैं। बाजपुर क्षेत्र से लगभग 6 लाख प्रति माह की वसूली की सूचना है जबकि काशीपुर व जसपुर को मिलाकर 8 से 10 लाख रुपए की अवैध वसूली आबकारी कर रही है।

अवैध वसूली को लेकर दरोगा सुर्खियों में

काशीपुर। आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें काफी गहरी हो चुकी है। लगभग डेढ़ दशक पूर्व काशीपुर में एक्साइज का सिपाही रहा एक कर्मचारी पदोन्नति पाकर दारोगा हो गया लेकिन दायित्वों के प्रति वह आज भी सचेत नहीं है। आयुक्त कार्यालय देहरादून में एक प्रशासनिक अधिकारी से सेटिंग के चलते वह बड़ी ही आसानी से अपना तबादला गृह तहसील में करा लेता है। तस्करी की शराब, जहरीली कच्ची शराब व मिलावटी शराब के कारोबारियों से उसके संबंध सुर्खियों में हैं।

नीरज तिवारी बने प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं प्रदेश प्रवक्ता नीरज तिवारी को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन संगठनात्मक व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं पंचायती राज संस्थाओं को और अधिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। श्री तिवारी अपने नवीन दायित्व का निर्वहन तत्काल प्रभाव से करेंगे।

दो फरार वारंटियों को पुलिस ने दबोचा

काशीपुर। गाली गलौज मारपीट बलवा व जान से मारने की धमकी देने के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटियों को पुलिस ने सूचना के आधार पर दबिश देकर गिरफ्तार करते हुए जरूरी पूछताछ के बाद दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। जानकारी के मुताबिक हलदुआ पीपलसाना रामनगर नैनीताल निवासी प्रकाश सिंह उर्फ अज्जू पुत्र विजय सिंह व वीरपुर लक्ष्मी रामनगर जनपद नैनीताल निवासी लक्ष्मण पुत्र जगत सिंह मारपीट गाली गलौज जान से मारने की धमकी व बलवा जैसे गंभीर मामलों में पिछले लंबे समय से कानून की आंख में धूल झोंक कर फरार चल रहे थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने फरार दोनों वारंटियों को दबिश देकर गिरफ्तार करते हुए जरूरी पूछताछ के बाद न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

इन्वेस्टर समिट के एमओयू की ग्राउंडिंग पर मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा

एक लाख करोड़ से अधिक का निवेश जमीन पर उतरा और स्पिरिचुअल जोन व आयुर्वेद एम्स को प्राथमिकता

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के अंतर्गत हुए एमओयू तथा उनकी ग्राउंडिंग (क्रियान्वयन) की प्रगति की समीक्षा हेतु उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए गए एमओयू की वर्तमान स्थिति, जमीनी प्रगति, अवरोधों तथा आगे की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के अंतर्गत कुल 3,57,693 करोड़ रुपये के 1,779 एमओयू संपादित किए गए थे, जिनमें से अब तक 1,06,953 करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंडिंग सफलतापूर्वक हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने इसे उत्तराखंड के औद्योगिक एवं आर्थिक भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह राज्य में निवेशकों के विश्वास, बेहतर कानून-व्यवस्था, सुशासन और उद्योग अनुकूल वातावरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस सकारात्मक परिणाम को और आगे बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं, जिनका लाभ राज्यहित में लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री धामी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि एमओयू एवं परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर आ रहे अवरोधों का त्वरित

निस्तारण किया जाए। प्रत्येक संबंधित विभाग में एक-एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए, जो एमओयू ग्राउंडिंग की सतत मॉनिटरिंग करे। यदि किसी नीति में संशोधन, सरलीकरण अथवा शिथिलीकरण की आवश्यकता हो तो उसका प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र पैरवी की जाए। उद्योगपतियों के साथ नियमित संवाद और संपर्क बढ़ाया जाए तथा उन्हें राज्य में कानून-व्यवस्था, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, डिजिटलीकरण, सरलीकृत प्रक्रियाएं और उद्योग फ्रेंडली इकोसिस्टम से संबंधित सुधारों की जानकारी दी जाए। निर्देश दिए कि परियोजनाओं के इम्प्लीमेंटेशन में अनावश्यक देरी बिल्कुल न हो, कार्यों पर शीघ्र निर्णय लिया जाए, स्पष्ट टाइमलाइन के अनुसार कार्य पूर्ण हों और किसी भी प्रकार की पेंडेंसी न रखी जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कुछ विभागों द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है, जिसकी उन्होंने प्रशंसा भी की। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग को निर्देशित किया कि हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में जिन क्षेत्रों में होटल निर्माण की व्यापक संभावनाएं हैं जैसे पिथौरागढ़, कैंची धाम सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों वहाँ निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए। पर्यटन विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि विभाग स्पेशल टूरिस्ट जोन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में एरिया आधारित फोकस पॉलिसी तैयार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। उद्योगों को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग को निर्देश दिए कि राज्य के सभी जनपदों में प्रत्येक माह "उद्योग मित्र समिति" की बैठक आयोजित की जाए, जिसमें उद्योगों से जुड़े मुद्दों का समाधान तथा उद्योग-अनुकूल निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और प्राचीन गौरवशाली विरासत का केंद्र बिंदु है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने इकोलॉजी और इकोनॉमी के संतुलन पर आधारित यूनिवर्सिटी की स्थापना हेतु आवश्यक होमवर्क करने, हिंदू स्टडीज सेंटर एवं प्राच्य शोध केंद्र से संबंधित पूर्व निर्देशों पर अग्रिम कार्रवाई करने, स्पिरिचुअल जोन डेवलपमेंट, भराड़ीसैंण में मंदिर एवं अन्य रचनात्मक निर्माण कार्य तथा आयुर्वेद एम्स की स्थापना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव सचिन कुर्वे, विनय शंकर पांडेय, रणजीत सिन्हा, एस. ।कंदाप, श्री सी. रविशंकर, श्री डी.एस. गर्ब्याल, वन विभाग से श्री रंजन कुमार मिश्रा, अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने पूरी की उपनल कर्मियों की वर्षों पुरानी लंबित मांग

दस वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को मिलेगा समान कार्य के लिए समान वेतन

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपनल कर्मियों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए उनके वर्षों पुराने संघर्ष को समाप्त कर दिया है। सरकार ने दस वर्ष की सेवा पूरी कर चुके उपनल कर्मचारियों को समान कार्य के बदले समान वेतन दिए जाने का शासनादेश जारी कर दिया है। इस फैसले के साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गई है, जिससे प्रदेश के हजारों उपनल कर्मियों और उनके परिवारों में खुशी की लहर है।उपनल कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत थे और इस दौरान राज्य में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी थी। आखिरकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल और व्यक्तिगत रुचि के चलते इस जटिल समस्या का स्थायी समाधान निकाला गया है। शासन द्वारा जारी आदेश के बाद अब उपनल के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत उन कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी जिन्होंने अपनी सेवा के दस साल पूरे कर लिए हैं। इस निर्णय से न केवल कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित हुआ है, बल्कि विभिन्न सरकारी विभागों की कार्य दक्षता में भी सुधार आने की प्रबल उम्मीद है।यह पहला मौका नहीं है जब मुख्यमंत्री ने राज्य के किसी जटिल और वर्षों से लंबित मुद्दे का समाधान किया हो। इससे पहले भी उनके नेतृत्व में समान नागरिक संहिता, देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून, सख्त भू कानून और धर्मांतरण विरोधी कानून जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ठोस कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है। उपनल कर्मियों के लिए लिया गया यह फैसला भी इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है, जो राज्य के कार्मिकों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि उपनल कर्मियों को समान कार्य के बदले समान वेतन प्रदान कर दिया गया है। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार कार्मिकों के हितों के लिए पहले दिन से ही पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदेश हित में किसी भी जटिल मुद्दे का समाधान निकालने के लिए सरकार हमेशा अतिरिक्त प्रयास करने और कड़े निर्णय लेने के लिए तैयार है।

बड़ौदा आरसेटी में 30 दिवसीय एसी और फ्रिज रिपेयरिंग प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

हल्द्वानी के कुंवरपुर में 28 युवा सीख रहे स्वरोजगार के गुर और बैंक से वित्तीय सहायता के तरीके

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी हल्द्वानी द्वारा आयोजित 30 दिवसीय रेफ्रिजरेटर एवं एसी रिपेयरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन कुंवरपुर, गौलापार स्थित संस्थान परिसर में किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में नैनीताल जिले के 28 पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिन्हें तकनीकी कौशल के माध्यम से स्वरोजगार के लिए तैयार किया जा रहा है।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तराखंड ग्रामीण बैंक दौलतपुर शाखा की प्रबंधक शालिनी सिंह, बड़ौदा आरसेटी निदेशक अतुल कुमार पाण्डेय, प्रशिक्षक नरेन्द्र सिंह पिलखवाल, एफएलसी काउंसलर सुरेश कुमार बिष्ट एवं मास्टर ट्रेनर जयवीर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक शालिनी सिंह ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे पूरे अनुशासन और तल्लीनता के साथ इस प्रशिक्षण को प्राप्त करें। उन्होंने युवाओं को हुनर सीखने के बाद अपना स्वयं का कार्य शुरू करने के लिए प्रेरित किया और बैंक से मिलने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया।संस्थान के निदेशक अतुल कुमार पाण्डेय ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय और उत्तराखंड आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वावलंबी बनाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों

सरकार के तत्वाधान में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा संचालित यह संस्थान वर्ष 2011 से जिले के 18 से 50 वर्ष के इच्छुक व्यक्तियों को नि:शुल्क एवं और विशेषज्ञों ने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर संस्थान के स्टाफ सहित सभी प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

बदहाल यातायात व्यवस्था के कारण बढा गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का खतरा

ट्रैफिक पुलिस की लचर कार्य प्रणाली से लोगों में असंतोष

काशीपुर। कायदा कर्तव्य कवच और क्रांति के आदर्शों पर चलाया जा रहा सड़क सुरक्षा अभियान यहां काशीपुर में यातायात पुलिस की गलत नीतियों के कारण पूरी तरह फ्लॉप देखा जा रहा है। वाहन चालक ट्रैफिक नियमों को नहीं मानते। सड़कों पर ट्रिपल राइडिंग बगैर हेलमेट बगैर लाइसेंस दूषित नंबर प्लेट ओवर हाइट ओवरलोडिंग बगैर सीट बेल्ट वाहनों की भरमार है। ड्राइविंग करते हुए मोबाइल फोन का प्रयोग करना यहां परिपाटी बन चुका है। पिछले 5 वर्षों में हेलमेट के प्रयोग के नाम पर संयोजन शुल्क के रूप में करोड़ों रुपए वसूले जा चुके हैं लेकिन धरातल पर आज भी हेलमेट का इस्तेमाल महज और महज 10 प्रतिशत वाहन चालक ही करते देखे जा रहे हैं इसमें से अधिकांश ऐसे हैं जो चालान के डर से हेलमेट रखते हैं इस लिहाज से देखा जाए तो सुरक्षा के प्रति वाहन चालकों में जागरूकता की कमी है। अवेयरनेस को लेकर ट्रैफिक पुलिस द्वारा कभी कोई कैंपिंग नहीं की जाती। ट्रैफिक पुलिस की

लचर कार्य प्रणाली के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पटरी से नीचे है। राष्ट्रीय राजमार्ग पार्किंग में तब्दील है लेकिन ट्रैफिक पुलिस सब कुछ देख कर भी अनदेखा करने का काम कर रही है या फिर यूं कहा जाय कि बेपरवाही वह अनदेखी के बदले उसे चढ़ावा चढ़ाया जा रहा है तो अतिशयोक्ति नहीं होगा। नाम न छापने की शर्त पर शहर के कुछ ट्रांसपोर्टरों ने ट्रैफिक पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने ड्राइवर/कारखास द्वारा सुविधा शुल्क वसूलने की बात कहीं। यहां बता दें की रात्रि 9:00 बजे से सुबह 7:00 तक सड़कों पर खनन भरे डंपर मौत के मानिंद फर्राटा भरते हैं। ट्रैफिक पुलिस के ही संरक्षण में शहर के आधा दर्जन स्थानों पर अवैध प्राइवेट बस अड्डे एवं टैक्सी स्टैंड संचालित है जहां बाकायदा नंबर लगाने के नाम पर गुंडा टैक्स की वसूली हो रही है। **जाम के झाम ने बढ़ाई मुश्किलें :** ट्रैफिक पुलिस की लचर कार्य प्रणाली के कारण यहां काशीपुर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बुरी तरह बदहाल है। टांडा उज्जैन चौराहा, टांडा उज्जैन तिराहा, स्टेशन रोड व चीमा चौराहे पर दिन में कई कई बार भीषण जाम की स्थिति बन जाती है। जाम लगने के कारण गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है तो वहीं दूसरी ओर स्कूली बच्चों नौकरी पैसा लोगों एवं आकस्मिक रोगियों को गंतव्य तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन

जुलाई से खत्म होगा मदरसा बोर्ड, नया सिलेबस तैयार करेगा प्राधिकरण

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अल्पसंख्यक शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन कर दिया है। सरकार आगामी जुलाई 2026 से मदरसा बोर्ड को पूरी तरह समाप्त करने जा रही है। नई व्यवस्था के तहत अब राज्य की सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाएं एक ही अंब्रेला यानी उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अधीन काम करेंगी और उनकी मान्यता उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड के माध्यम से होगी।विशेष सचिव डॉ पराग मधुकर धकाते ने इस महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले विधानसभा सत्र में ही मदरसा बोर्ड को समाप्त करने की घोषणा की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि सभी अल्पसंख्यक संस्थाओं को उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड के मानकों के अनुरूप लाया जाएगा। इसी क्रम में अब प्राधिकरण का गठन कर दिया गया है, जिसमें विभिन्न समुदायों के प्रमुख शिक्षाविदों और विद्वानों को मनोनीत किया गया है। यह प्राधिकरण अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए आधुनिक और प्रभावी शैक्षिक पाठ्यक्रम यानी सिलेबस निर्धारित करने का कार्य करेगा।प्राधिकरण की संरचना की जानकारी देते हुए डॉ पराग ने बताया कि इसमें डॉ सुरजीत सिंह गांधी को अध्यक्ष बनाया गया है। सदस्य के रूप में प्रोफेसर राकेश जैन, डॉ सैय्यद अली हमीद, प्रोफेसर पेमा तेनजिन, डॉ एल्बा मेड्रिले, प्रोफेसर रोबिना अमन और प्रोफेसर गुरमीत सिंह को शामिल किया गया है। इसके साथ ही सामाजिक क्षेत्र से राजेंद्र बिष्ट और सेवानिवृत्त अधिकारी चंद्रशेखर भट्ट को भी सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासनिक स्तर पर निदेशक महाविद्यालय शिक्षा, निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण भी इस सदस्य सूची का हिस्सा रहेंगे।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संबंध में कहा है कि सरकार ने मदरसा बोर्ड को समाप्त कर राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के गठन का फैसला लिया है। अब यह नवगठित प्राधिकरण ही तय करेगा कि अल्पसंख्यक बच्चों को किस प्रकार की और कितनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। उनके अनुसार, पाठ्यक्रम का निर्धारण अब प्राधिकरण के विशेषज्ञ करेंगे और सभी अल्पसंख्यक संस्थाओं के लिए उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से मान्यता लेना अनिवार्य होगा।

उत्तराखण्ड ने पर्यटन में रचा नया इतिहास

पहली बार छह करोड़ के पार पहुंचा पर्यटकों का आंकड़ा,हरिद्वार के साथ देहरादून और टिहरी में भी सैलानियों ने बनाया नया रिकॉर्ड

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड के पर्यटन और तीर्थाटन क्षेत्र ने एक ऐसा ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है जिसने राज्य गठन के बाद के पिछले ढाई दशकों के सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। वर्ष 2025 उत्तराखंड के लिए 'पर्यटन के स्वर्णिम वर्ष' के रूप में दर्ज हुआ है जहाँ पहली बार पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की कुल संख्या छह करोड़ के जादुई आंकड़े को पार कर गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बीते वर्ष कुल 06 करोड़ 03 लाख 21 हजार 194 सैलानियों ने देवभूमि की वादियों और पवित्र तीर्थस्थलों का रुख किया। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उस दूरगामी सोच और 'इकोनॉमी व इकोलॉजी' के बीच बेहतर संतुलन बनाने की नीति का परिणाम मानी जा रही है।पर्यटन विभाग

द्वारा जारी विस्तृत रिपोर्ट के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो धर्मनगरी हरिद्वार एक बार फिर सबसे बड़े केंद्र के रूप में उभरी है। हरिद्वार में अकेले ही 03 करोड़ 42 लाख 49 हजार 380 पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचे हैं। इसके बाद पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित हो रहे देहरादून में 67 लाख 35 हजार 71 और टिहरी जनपद की झील व साहसिक खेलों के आकर्षण के कारण वहाँ 53 लाख 29 हजार 759 सैलानियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विशेष बात यह है कि इस कुल संख्या में एक लाख 92 हजार 533 विदेशी सैलानी भी शामिल हैं जो वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर उत्तराखंड की बढ़ती धाक को प्रमाणित करता है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल में बुनियादी ढांचे पर किए गए विशेष निवेश ने इस रिकॉर्ड को बनाने में अहम भूमिका निभाई है। ऑल वेदर रोड परियोजना, बेहतर कानून-व्यवस्था और चारधाम यात्रा के सुगम प्रबंधन ने यात्रियों के मन में सुरक्षा और सुविधा का भाव जगाया है। सरकार ने पर्यटन को केवल गर्मी के सीजन या चारधाम यात्रा तक सीमित न रखकर इसे '365 दिन का पर्यटन' बनाने की दिशा में काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में शुरू हुई विभिन्न धार्मिक और साहसिक पर्यटन योजनाओं ने दूरस्थ क्षेत्रों को भी मुख्यधारा से जोड़ा है। विशेष रूप से सीमांत क्षेत्रों में होमस्टे योजना और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने से पर्यटकों का रुझान अब केवल प्रमुख शहरों तक सीमित न रहकर अनछुए प्राकृतिक स्थलों की ओर भी बढ़ा है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस शानदार उपलब्धि पर कहा कि पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य पर्यटन गतिविधियों को पूरे वर्ष जारी रखना है ताकि स्थानीय कारोबारियों और युवाओं को पलायन न करना पड़े और उन्हें अपने ही गांव व शहर में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद राज्य में शीतकालीन पर्यटन के प्रति देश-दुनिया में जबरदस्त उत्साह देखा गया है। सरकार ने पर्यटन स्थलों पर सड़कों, पेयजल और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इन्हीं समन्वित प्रयासों का सुखद परिणाम है कि आज उत्तराखंड पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरा है।

साल दर साल ऐसे बढ़ा ग्राफ

उत्तराखंड में पर्यटन के प्रति बढ़ते आकर्षण को इन आंकड़ों से समझा जा सकता है। वर्ष 2021 में जहां पर्यटकों की संख्या 2,00,18,115 थी वहीं 2022 में यह तेजी से बढ़कर 5,39,81,338 पर पहुंच गई। वर्ष 2023 में 5,96,36,601 लोगों ने राज्य का भ्रमण किया। हालांकि वर्ष 2024 में यह आंकड़ा मामूली गिरावट के साथ 5,95,50,277 रहा लेकिन वर्ष 2025 में धामी सरकार की नीतियों और बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते पहली बार 06 करोड़ 03 लाख 21 हजार 194 का ऐतिहासिक आंकड़ा छू लिया गया।

दबंगों ने घर में घुसकर मां बेटी पर किया जानलेवा हमला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत सुभाष कॉलोनी में पड़ोसियों ने घर में घुसकर एक महिला और उसकी बेटी पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में महिला का सिर फट गया है, जबकि उसकी बेटी के हाथ में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सुभाष कॉलोनी निवासी उर्मिला पत्नी छेदालाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके घर के पड़ोस में रहने वाले आकिब, शाकिब, मुस्कान, छुट्टु और पप्पू आए दिन उनके परिवार के साथ लड़ाई-झगड़ा करते रहते हैं। बीती एक फरवरी को इन सभी लोगों ने एकजुट होकर उर्मिला के घर पर धावा बोल दिया। आरोप है कि आरोपियों ने उर्मिला के साथ बुरी तरह मारपीट की और इसी दौरान आकिब ने ईंट मारकर उनका सिर फाड़ दिया। बीच-बचाव करने आई उनकी बेटी ज्योति पर डंडे से वार किया गया, जिससे उसके हाथ में गहरी चोट आई है।पीड़िता का आरोप है कि हमलावर उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोपियों ने महिला को चुनौती देते हुए कहा कि जो करना है कर ले, तुझे जान से मरवा देंगे। इस घटना के बाद से पीड़िता का परिवार दहशत में है और उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। मामले की जांच कांस्टेबल महेंद्र कुमार और म. कानि. अनीशा आर्या द्वारा की गई कागजी कार्रवाई के बाद आगे बढ़ाई जा रही है।

मेयर विकास शर्मा की तत्परता से घायल महिला की बची जान

देर रात्रि भगत सिंह चौक पर घायल पड़ी मिली महिला

रुद्रपुर। मंगलवार देर रात्रि शहर के बाजार क्षेत्र स्थित भगत सिंह चौक पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक दुकान के पास एक महिला को घायल अवस्था में पड़ा हुआ पाया गया। सबसे पहले इस स्थिति की जानकारी समाज सेवी हरजीत जी ने बाजार क्षेत्र के पार्षद चिराग कालड़ा को दी। सूचना मिलते ही पार्षद कालड़ा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल महापौर विकास शर्मा को अवगत कराया।महापौर विकास शर्मा के निर्देश पर बिना समय गंवाए 108 एम्बुलेंस सेवा को बुलाया गया, जिसके माध्यम से घायल महिला को जिला अस्पताल भेजा गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि पूरी प्रक्रिया बेहद तेजी

से पूरी की गई, जिससे महिला को समय रहते चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। इस दौरान महापौर विकास शर्मा द्वारा दिखाई गई सक्रियता और संवेदनशीलता की शहरवासियों ने सराहना की है। वहीं समाजसेवी हरजीत जी के साथ-साथ आकाश और बठला द्वारा घायल महिला की मदद के लिए आगे आने और मानवता का परिचय देने को भी लोग प्रशंसनीय बता रहे हैं। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार, यदि समय रहते सूचना पर कार्रवाई न होती तो महिला की हालत और गंभीर हो सकती थी। स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों ने भी प्रशासन और समाजसेवियों के समन्वय की प्रशंसा की है। फलहाल घायल महिला का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है और चिकित्सकों द्वारा उसकी स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है कि महिला किस परिस्थिति में घायल हुई और वह वहां कैसे पहुंची। घटना ने एक बार फिर यह साबितकर दिया किसंकट के समय तत्परता से किसी की जान बचाई जा सकती है।

जिलाध्यक्ष बनने पर शुभम वाधवा का किया स्वागत

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर और अध्यक्ष प्रतिनिधि कावल सिंह ने नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित एक भव्य स्वागत समारोह में केंद्रीय लोक शिकायत निवारण परिषद, ऊधम सिंह नगर के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष शुभम वाधवा का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष और उनके प्रतिनिधि ने शुभम वाधवा को माल्यार्पण किया और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने शुभम वाधवा को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में जिले के भीतर जनसमस्याओं के समाधान और जनहित के कार्यों को एक नई गति और दिशा प्राप्त होगी। वक्ताओं ने कहा कि वाधवा की कार्यकुशलता से परिषद को मजबूती मिलेगी और आम जनता की आवाज शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। वहीं, अपनी नियुक्ति पर शुभम वाधवा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे अपनी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ इस नए दायित्व का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है और वे इसके लिए सदैव तत्पर रहेंगे।इस स्वागत कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर, अध्यक्ष प्रतिनिधि कावल सिंह, सभासद संजय सरकार, सभासद सविता बैरागी, विसंबर बैरागी, बक्का बढ़ई और अनुज कुमार प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वाहनों की फिटनेस को लेकर चालकों व अधिकारियों में वार्ता

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। टैक्सी मैक्सी वाहन चालकों की समस्याओं के संबंध आयुक्त कुमाऊं मंडल एवं जिला अधिकारी के निर्देशो के अनुपालन में सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, पुलिस अधीक्षक मनोज कत्याल, संभागीयपरिवहन अधिकारी (प्रशासन) डॉ गुरदेव सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी वीके सिंह द्वारा टैक्सी मैक्सी महासंघ के पदाधिकारियों से वार्ता की गई। इसके साथ ही टैक्सी मैक्सी महासंघ के द्वारा एटीएस के माध्यमों से वाहनों की फिटनेस किए जाने के विरोध में 4 फरवरी से वाहनों का चक्का जाम किए जाने के आह्वान को वापस लिए जाने हेतु कहा गया। उन्हें अवगत कराया गया कि परिवहन विभाग द्वारा पर्वतीय जनपदों में परिवहन कार्यालयों में वाहनों की फिटनेस पूर्व की भांति किये जाने के संबंध में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार से पत्राचार किया गया है और इस संबंध में उन्हें आश्वस्त किया गया कि जल्दी ही इस संबंध में अनुमति प्राप्त हो जाएगी और वाहनों की फिटनेस पूर्व की बातें परिवहन कार्यालय में होगी। मीटिंग के दौरान टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी भारत भूषण, प्रशांत कुमार नेगी, मनोज भट्ट, करतार सिंह, बालकृष्ण भट्ट, श्याम सुंदर अधिकारी व रंजीत नेगी उपस्थित रहे।

कल्याणी नदी को प्रदूषणमुक्त करने के लिए प्रशासन सख्त

मुख्य विकास अधिकारी ने दिए औद्योगिक संस्थानों के ट्रीटमेंट प्लांटों की नियमित जांच के निर्देश

रूद्रपुर। कल्याणी नदी के अस्तित्व को बचाने और इसे प्रदूषणमुक्त करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी की अध्यक्षता में जिला सभागार में सिडकुल की कंपनियों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि औद्योगिक संस्थान बिना ट्रीट किए पानी को किसी भी कीमत पर कल्याणी नदी में न छोड़ें। मुख्य विकास अधिकारी ने औद्योगिक संस्थानों के पदाधिकारियों को एक माह का समय देते हुए कहा कि वे अपने ट्रीटमेंट प्लांटों की स्थिति में सुधार कर लें। उन्होंने चेतावनी दी कि एक माह के बाद सभी कंपनियों से निकलने वाले पानी की सैंपलिंग और जांच कराई जाएगी। यदि किसी भी कंपनी का दूषित पानी कल्याणी नदी में गिरता हुआ पाया गया, तो संबंधित संस्थान के खिलाफ बेहद कड़ी कानूनी कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। उन्होंने आरएम सिडकुल और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संयुक्त रूप से

कंपनियों के ट्रीटमेंट प्लांटों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि प्लांट सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं या नहीं।नदी में प्रदूषण के सटीक स्तर का पता लगाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कल्याणी नदी के सिडकुल क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले, सिडकुल क्षेत्र की समाप्ति पर अटरिया मंदिर के पास और शहर की समाप्ति के बाद उत्तर प्रदेश की सीमा पर पानी की सैंपलिंग कराई जाए। इस जांच से यह स्पष्ट हो सकेगा कि किस क्षेत्र में नदी का पानी कितना प्रदूषित हो रहा है। इसके साथ ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उन कंपनियों की अलग सूची बनाने के निर्देश दिए गए हैं जो खतरनाक केमिकल्स का उपयोग करती हैं, ताकि उनकी नियमित निगरानी की जा सके।बैठक में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उप जिलाधिकारी व आरएम सिडकुल मनीष बिष्ट, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी एसपी सिंह, सहायक अभियंता सुनील कुमार, दिलदार अली सहित विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के एचआर हेड और अन्य पदाधिकारी रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

भारत-अमेरिका ट्रेड डील

पिछले कई महीने से अमेरिका की ओर से लागू शुल्क नीति के कारण जहां दुनिया भर में व्यापार युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो रही थी, वहीं भारत के सामने मुख्य चुनौती अपने लिए बेहतर विकल्प तलाश करने की थी। अब सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा, उससे यही लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच परस्पर हित पर आधारित एक समझौता आकार ले सकता है। ट्रंप ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका-भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शुल्क को पचास फीसद से घटा कर अठारह फीसद किया जाएगा। दूसरी ओर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपनी शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। दोनों देशों की ओर से ऐसी घोषणा को शुल्क के मसले पर महीनों से जारी तनाव के बाद अमेरिका और भारत की नीतियों में अब एक बड़े बदलाव का सूचक माना जा रहा है। हालांकि यह साफ होना बाकी है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अंतिम तौर पर किस स्वरूप में सामने आता है और उसमें बनी सहमति कहां तक परस्पर हित सुनिश्चित करती है। मगर फिलहाल सामने आई खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने जिस तरह शुल्क में कमी करने की बात कही है, उसके अमल में आने पर भारत को राहत मिल सकती है। दरअसल, कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर अमेरिकी नीतियों का असर पड़ना शुरू हो चुका था। इसके बावजूद भारत ने अमेरिका की ओर से जरूरत से ज्यादा सख्त शर्तों की वजह से समझौते के लिए सहमति देने को लेकर सावधानी बरती और इससे उपजी मुश्किल का विकल्प तलाशने की कोशिश जारी रखी। यही वजह है कि अमेरिका की ओर से शुल्क को पचास फीसद कर देने की घोषणा के बाद भी भारत ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी। यों ट्रंप ने दावा किया है कि अब भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से कहीं अधिक मात्रा में तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से भी तेल खरीद पर सहमति जताई है। हालांकि भारत और रूस के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने के सवाल पर भारत क्या रुख अपनाता है। इसके अलावा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाने का एक बड़ा कारण यह था कि भारत कृषि क्षेत्र को पूरी तरह खोलने को लेकर राजी नहीं था। इस मसले पर देश भर में सवाल उठाए गए थे। अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि व्यापार समझौते के अंतिम रूप में भारत कृषि जैसे सबसे संवेदनशील मुद्दे पर क्या हासिल करता है, लेकिन किसानों की ओर से कई तरह की चिंताएं सामने आई हैं। इस मसले पर आशंका ट्रंप के उस दावे से उपजी है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत की ओर से काफी बड़े स्तर पर अमेरिकी उत्पाद खरीदने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। इसमें ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य उत्पाद शामिल हैं। अगर भारत कृषि क्षेत्र को भी खोलता है, तो इससे यहां के किसानों के सामने चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इसलिए भारत को अपने किसानों की इस फिक्र को ध्यान में रखना चाहिए कि अगर सस्ते अमेरिकी उत्पाद भारत आएंगे, तो देसी फसलों के दाम गिर सकते हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्य कमजोर होगा और सबसे बड़ा नुकसान छोटे तथा सीमांत किसानों को होगा।

राज्यपाल ने एनसीसी कैडेट्स को किया सम्मानित

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में देवभूमि का मान बढ़ाने वाले उत्तराखंड के एनसीसी कैडेट्स को लोक भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में सम्मानित किया। इस वर्ष उत्तराखंड निदेशालय से कुल 172 कैडेट्स ने कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड और उससे जुड़ी विभिन्न राष्ट्रीय गतिविधियों में हिस्सा लेकर राज्य का नाम रोशन किया है।समारोह के दौरान राज्यपाल ने विशेष रूप से कैडेट मानसी विश्वकर्मा की प्रशंसा की, जिन्होंने नई दिल्ली में 'गर्ल कंटिन्जेंट' की परेड कमांडर के रूप में नेतृत्व किया। राज्यपाल ने कहा कि मानसी ने अपनी नेतृत्व क्षमता से यह सिद्ध कर दिया है कि आज की नारी केवल सहभागिता तक सीमित नहीं है, बल्कि नेतृत्व करने में भी सक्षम है। वह उत्तराखंड की बेटियों के आत्मविश्वास और सामर्थ्य का प्रतीक हैं। इसके साथ ही राज्यपाल ने प्रधानमंत्री रैली में परेड कमांडर की भूमिका निभाने वाले सीनियर अंडर ऑफिसर उत्कर्ष शर्मा और ड्रोन प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रक्षा मंत्री पदक से सम्मानित कैडेट प्रिंस सिंह राणा की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रिंस सिंह राणा की उपलब्धि भविष्य की युद्ध तकनीक और 21वीं सदी की सुरक्षा चुनौतियों के लिए युवाओं की तैयारी का सटीक उदाहरण है।कैडेट्स को संबोधित करते हुए अनुशासन' का मंत्र जीवनभर अपनाने की आवश्यकता है। आज का युग तकनीक का है, जिसमें ड्रोन, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व बढ़ गया है। उत्तराखंड के कैडेट्स ने यह साबित किया है कि वे पारंपरिक भल्ला, ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर विकास ढींगरा, कमोडोर बीआर सिंह, लेफ्टिनेंट भास्कर विजय टी, ग्रुप कैप्टन विवेक रावत, कर्नल राजेश रावत, कर्नल जीसी लोहानी, कर्नल मनोज सांझ, कर्नल दीपेंद्र, कर्नल आदित्य पॉल, कर्नल

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिविर और गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बनना किसी भी युवा के लिए गर्व का विषय है। यह उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनसीसी में सिखाया जाने वाला 'एकता और सैन्य अनुशासन के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों में भी पूरी तरह दक्ष हैं।कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए, जिसकी सभी ने सराहना की। इस अवसर पर प्रथम महिला गुरमीत कौर, एडीजी एनसीसी मेजर जनरल समीर दीपक पांडेय, लेफ्टिनेंट कर्नल रश्मी गौतम सहित निदेशालय के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने सभी कैडेट्स से व्यक्तिगत संवाद कर उनके दिल्ली प्रवास के अनुभवों को भी साझा किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट का परीक्षा परिणाम घोषित

कई छात्र-छात्राओं ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ने सत्र 2025ख26 (शीतकालीन) का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। घोषित परिणामों में संस्थान के विभिन्न इंजीनियरिंग शाखाओं के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। कई छात्र-छात्राओं ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में अपना स्थान सुरक्षित किया है।परीक्षा परिणामों के अनुसार, एप्लाइड साइंस प्रथम वर्ष से तनिष्का कोहली, आशीष कुमार और मीरा गोल्दार ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग (प्रोडक्शन) द्वितीय वर्ष में आनंद, रिश्ता प्रकाश, सुदर्शन धुरी और तृतीय वर्ष में यतेंद्र कुमार, कार्तिक राणा व आकाश मजूमदार ने बाजी मारी। वहीं, मैकेनिकल (ऑटोमोबाइल) द्वितीय वर्ष में मनोज पांडेय, भुवन चंद्रा, प्रीतम सिंह और तृतीय वर्ष में खीमा नंद, राकेश कुमार शिल्पी व पंकज कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।सिविल इंजीनियरिंग शाखा के द्वितीय वर्ष से मनोज गंगवार, शीतल मेहता, अमित और तृतीय वर्ष से अपूर्व राय, निखिल नोलिया व विपुल चौहान ने सफलता अर्जित की। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में द्वितीय वर्ष से राकेश जोशी, अमित सिंह, मोनिका राणा और तृतीय वर्ष से गौरव सागर, नीरज भट्ट व रोहित कुमार मंडल ने उच्च अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया।इस शानदार उपलब्धि पर संस्थान के अध्यक्ष राजेश डाबर, मैनेजिंग डायरेक्टर सी.ए. शिव अरोरा और डायरेक्टर सीमा अरोरा ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के सटीक मार्गदर्शन का परिणाम है। इस अवसर पर मैनेजमेंट मेंबर वंश डावर, शौर्य अरोड़ा, संस्थान प्रमुख ललित सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्य डॉ. प्रकाश पंत, विवेक त्रिवेदी, उप-प्रधानाचार्य मुकेश कुमार, सी.ए.ओ. अनुभव बाठला और रजत धवन सहित समस्त स्टाफ ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री विभिन्न विकास योजनाओं और लोकतंत्र सेनानी पेंशन को दी मंजूरी

पेयजल शिक्षा और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए करोड़ों की धनराशि स्वीकृत

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानी सम्मान के तहत श्रीमती देवकी काण्डपाल पत्नी स्वर्गीय जयदत्त काण्डपाल, निवासी कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी, नैनीताल को 17 मई 2023 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह लोकतंत्र सम्मान पेंशन अनुमन्य किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति दी है। इसमें नगर निगम हरिद्वार के वार्ड नंबर 59 सीतापुर सरोवर में जल निकाय पुनर्जीवन योजना हेतु 1.68 करोड़ रुपये, सिंचाई विभाग के अंतर्गत रायपुर ब्लॉक की बांदल नदी में नहर के शीर्ष पर जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों के लिए 2.19 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।इसके साथ ही बीजापुर नहर के हैड के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण हेतु 5.00 करोड़ रुपये और उत्तराखंड पेयजल निगम के अंतर्गत लोहाघाट टाउन पंपिंग पेयजल योजना के लिए 84.45 करोड़ रुपये की बड़ी धनराशि स्वीकृत की गई है। शिक्षा और अन्य बुनियादी ढांचों के विकास के लिए भी मुख्यमंत्री ने वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय बालक छात्रावास कंडोली, देहरादून के अनुरक्षण कार्य हेतु 46.56 लाख रुपये और राजा बाबू पब्लिक इंटर कॉलेज आसफनगर हरिद्वार को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट कक्षाओं के लिए कुल 5.00 लाख रुपये का आवर्तक सहायता अनुदान मंजूर किया गया है। इसके अलावा हर्ष पब्लिक जूनियर हाईस्कूल मूलदासपुर माजरा, हरिद्वार को भी 1.00 लाख रुपये प्रतिवर्ष की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं के क्रम में मुख्यमंत्री ने जिला कारागार देहरादून में पुरानी भूमिगत विद्युत केबल और पैनल को बदलकर नई क्षमता की आर्मड केबल व पैनल स्थापित करने हेतु 85.22 लाख रुपये मंजूर किए हैं। जनपद पिथौरागढ़ के सीमांत क्षेत्रों के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट की अखुली ग्राम पंचायत में संपर्क मार्ग निर्माण हेतु 54.80 लाख रुपये, धारचूला में जोशागौंधी नगर से कोटाखड़िक इमला ट्रैक रूट के निर्माण हेतु 30.55 लाख रुपये तथा पिथौरागढ़ के विकासखंड मूनाकोट में ग्राम सभा घुर्चू से अखुली तक संपर्क मार्ग निर्माण हेतु 83.93 लाख रुपये की धनराशि को मुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

किशोरियों के साथ शक्ति संवाद कर साझा किए करियर और संघर्ष के अनुभव

नैनीताल (उद संवाददाता)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में बाल विकास परियोजना भीमताल द्वारा 'किशोरियों के साथ शक्ति संवाद' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नैनीताल विधायक सरिता आर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सिविल जज सीनियर डिवीजन पारुल थपलियाल मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट ने की। इस संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना और उन्हें समाज की चुनौतियों से अवगत कराना था। शक्ति संवाद के दौरान सचिव पारुल थपलियाल ने किशोरियों को विधिक करियर की संभावनाओं के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों, जैसे घरेलू हिंसा, बाल विवाह निषेध, कार्यस्थल पर यौन हिंसा की रोकथाम और पोस्को अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विभिन्न क्षेत्रों से आई सफल महिलाओं ने अपने जीवन के अनुभव और चुनौतियां साझा कीं। उच्च शिक्षा क्षेत्र से डीएसबी की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर लता पाण्डेय, सहायक श्रम आयुक्त मीनाक्षी कांडपाल, सब इंस्पेक्टर अंजला जोन, डॉ. पल्लवी, पत्रकार सोनाली मिश्रा और राष्ट्रीय स्तर की बॉक्सर बबीता टम्टा ने किशोरियों को बताया कि कैसे दृढ़ निश्चय के साथ हर बाधा को पार किया जा सकता है। जिला सेवायोजन अधिकारी प्रियंका गड़िया ने किशोरियों को भविष्य के विभिन्न करियर विकल्पों और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने छात्राओं के सवालों के जवाब दिए और उन्हें स्वावलंबी बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की, बाल विकास परियोजना अधिकारी डॉ रेनू मर्तोलिया, मीडिया प्रभारी गीतेश त्रिपाठी, पत्रकार सुमन, सुपरवाइजर कुसुमलता, नैना, हेमा, गीता सहित बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां और किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

आयोग ने जारी किया छह भर्तियों का कैलेंडर

पीसीएस मुख्य परीक्षा 2025 का आयोजन 27 से 30 अप्रैल के बीच

देहरादून। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की पीसीएस मुख्य परीक्षा 2025 का आयोजन 27 से 30 अप्रैल के बीच किया जाएगा। आयोग ने छह परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है।आयोग के परीक्षा नियंत्रक जयवर्धन शर्मा की ओर से जारी कैलेंडर के मुताबिक, सचिवालय और लोक सेवा आयोग में भर्ती की अपर निजी सचिव परीक्षा 2024 की मुख्य परीक्षा 14 मार्च को होगी। महिला कल्याण विभाग की अधीक्षिका स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 का आयोजन 22 मार्च को किया जाएगा।न्यायिक विभाग की पीसीएस-जे मुख्य परीक्षा 2023 का आयोजन 21 से 24 अप्रैल के बीच, पीसीएस मुख्य परीक्षा 2025 का आयोजन 27 से 30 अप्रैल, माध्यमिक शिक्षा विभाग की राजकीय इंटर कॉलेज प्रवक्ता भौतिक शास्त्र की परीक्षा 10 मई, नागरिक शास्त्र की मुख्य परीक्षा 10 मई को होगी। इसी प्रकार, हिंदी की परीक्षा 30 मई और इतिहास की मुख्य परीक्षा 31 मई को होगी। आयोग ने ये भी स्पष्ट किया है कि ये सभी तिथियां संभावित हैं, जिनमें परिवर्तन संभव है। डेरी विकास विभाग के अंतर्गत सहायक निदेशक की 12 अप्रैल को प्रस्तावित परीक्षा को फिलहाल स्थगित रखा गया है। समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा 2024 की कंप्यूटर परीक्षा की तिथि जल्द जारी की जाएगी। प्रवक्ता के बाकी विषयों की परीक्षा की तिथियां भी जल्द ही जारी होंगी। पीसीएस 2024 का साक्षात्कार 16 मार्च से प्रस्तावित है।

चौराहों पर शोपीस बनी सिग्नल लाइटें

सितारगंज। नेशनल हाईवे से कनेक्ट तिरंगा चौक और स्टेट हाइवे स्थित महाराणा प्रताप चौराहे पर लगाई गई सिग्नल लाइटें आज तक नहीं रोशन नहीं हो सकी है। जिस वजह से आए दिन चौराहों में भीषण जाम की स्थिति बनी रहती है। शहर के तिरंगा चौराहे पर बने सर्कल को लेकर आए दिन नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की कार्यशैली पर सवाल उठाया जाता है। तिरंगा चौराहे पर जो सर्कल बना है उसकी परिधि काफी फैली हुई हैं। पूर्व में सर्कल से शहर के भीतर आने वाले मार्गों का संकरा होने पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कर्मचारियों ने गोल चक्र को काटकर ही इतिश्री कर ली। जिसके बाद से तिरंगा चौक में अक्सर यातायात अवरुद्ध होता हैं। अब सर्किल तिकोने भूमिका हैं। यहां सिग्नल लाइट भी लगाई गई थी। जो कई वर्ष बीतने के बाद भी रोशन नहीं हो सकती हैं। इस वजह से अधूरे सर्किल निर्माण को लेकर वाहन आड़े तिरछे फंस जाते हैं। इसके अलावा महाराणा प्रताप चौक पर भी वाहन चालकों को सिग्नल देने वाली लाइट बुझी हुई हैं।

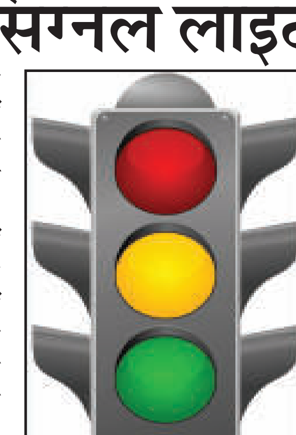

रामनगर में पूर्व सैनिक लीग के प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

फौजी कभी रिटायर नहीं होता, देश निर्माण में अनुभव साझा करें पूर्व सैनिक : असवाल

रामनगर (उद संवाददाता)। भारतीय पूर्व सैनिक लीग के प्रदेश अध्यक्ष सेवानिवृत्त मेजर जनरल एम.एल. असवाल बुधवार को रामनगर पहुंचे। लखनपुर स्थित पूर्व सैनिक कल्याण एवं उत्थान समिति द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष का पूर्व सैनिकों ने माल्यार्पण कर और गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने उनके समक्ष अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं और उनके समाधान के लिए ठोस पैरवी की मांग की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मेजर जनरल एम.एल. असवाल ने कहा कि एक फौजी कभी रिटायर नहीं होता, क्योंकि वर्दी उतारने के बाद भी उसके भीतर देशभक्ति का जज्बा सदैव कायम रहता है। उन्होंने सेवानिवृत्त सैनिकों से अपील की कि वे अपने सेवाकाल के अनुशासन और अनुभवों को आम जनमानस के साथ साझा करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्व सैनिक समाज की समस्याओं को सुलझाने और देश के विकास से जुड़े सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें, ताकि एक बेहतर समाज का निर्माण हो सके। प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्र सरकार की 'अग्निवीर' योजना की जमकर सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में युवा इस योजना का लाभ लेकर देश सेवा के लिए तैयार हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों से लीग के सदस्यता अभियान को मजबूती प्रदान करने और अधिक से अधिक साथियों को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान मेजर जनरल असवाल ने एनसीसी कैडेट्स से भी मुलाकात की। उन्होंने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ये युवा ही हमारे देश का भविष्य हैं। यदि हम इनके दिलों-दिमाग में शुरू से ही देशभक्ति का जज्बा और अनुशासन कायम रखने में सफल रहे, तो निश्चित तौर पर एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा। इस अवसर पर पूर्व सैनिक कल्याण एवं उत्थान समिति के पदाधिकारी, भारी संख्या में पूर्व सैनिक और एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

बजट को भाजपा ने बताया 'ऐतिहासिक', कांग्रेस ने कहा 'झुनझुना'

किच्छा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा विगत दिवस पेश किए गए बजट का मिला-जुला असर देखने को मिला है। जहां एक तरफ आम जनता व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बजट को ऐतिहासिक बताते हुए बजट की सराहना कर उसके लाभ बताए जा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं कुछ लोगों द्वारा बजट को जुमलेबाज बजट बताया जा रहा है। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष लवी सहगल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 2047 को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया गया है और इस बजट का लाभ देश के प्रत्येक व्यक्ति को मिलेगा। उन्होंने कहा कि बजट में देश की रक्षा को प्राथमिकता दी गई है तथा इसी उद्देश्य से सेनाओं के आधुनिकीकरण पर जोर देकर वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद के दृष्टिगत बजट में 2.19 लाख करोड रुपए की ऐतिहासिक वृद्धि की गई है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हर वर्ग को ध्यान में रखकर बजट पेश किया है। कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू ने कहा कि देश की जनता को बजट से काफी उम्मीदें थी लेकिन भाजपा सरकार ने आम जनता को केवल झुनझुना थमाने का काम किया है और वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट पूरी तरह से समझ से बाहर है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व कार्यकाल में बेरोजगार युवाओं और किसानों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन कई वर्षो बाद भी वो वादे पूरे नहीं हो पाए। जबकि युवाओं और किसानों को उम्मीद थी कि बजट में उनका ध्यान रखा जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि पेश किया गया बजट भाजपा सरकार के उद्योगपति मित्रों का पोषक और आम जनता के खिलाफ बेरोजगारी और महंगाई में वृद्धि करने वाला दिशाहीन बजट है। वरिष्ठ नेत्री शैली फुटेला ने कहा कि बजट स्वागत योग्य है और बजट में देश के विकास, रक्षा, ट्रेन कनेक्टिविटी विस्तार सहित सभी बिंदुओं पर दूरदर्शी सोच और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की छवि साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि बजट में हाई स्पीड ट्रेन से कनेक्टिविटी की तस्वीर बदलने, पर्यटन व धार्मिक स्थलों को नई पहचान देकर उनके संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के करीब 700 जिलों में बालिका छात्रावास की घोषणा किए जाने से बालिकाओं का भविष्य उज्जवल होगा। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक सेवा क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए सरकार द्वारा शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करने की भी घोषणा की गई है, जिससे युवाओं के सपनों को पंख लगेंगे।

समाजसेवी शानू चोपड़ा ने बच्चों संग निकाला शांति मार्च

गदरपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड की देवभूमि में बढ़ते वैचारिक द्वेष और नफरत के माहौल के खिलाफ गदरपुर के समाजसेवी शानू उर्फ शानू चोपड़ा ने एक अनोखी और प्रभावशाली पहल की है। बुधवार को उन्होंने अपने मासूम बच्चों, मोहम्मद सुफियान और बेटी महामायजा के साथ हाथों में तिरंगा लेकर नगर में शांति मार्च निकाला। इस मार्च के जरिए उन्होंने समाज को यह संदेश देने की कोशिश की कि आने वाली पीढ़ी को नफरत के बजाय प्रेम और सौहार्द की विरासत सौंपना जरूरी है।शांति मार्च के दौरान समाजसेवी शानू चोपड़ा ने राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालातों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीति का स्वर खतरनाक तरीके से बदल रहा है। विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पलायन जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी मुद्दों को हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसकी जगह अब सियासत नफरत और ध्रुवीकरण की राह पर बढ़ती दिख रही है। उन्होंने अफसोस जताया कि सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल बढ़ गया है जो समाज को जोड़ने के बजाय बांटने का काम कर रही है। शानू चोपड़ा ने कहा कि आजकल धर्म, जाति और पहचान के नाम पर माहौल को गरमाया जा रहा है। वैचारिक असहमति की जगह अब एक-दूसरे को देशद्रोही या धर्मविरोधी ठहराने की होड़ लगी है। शानू चोपड़ा की इस पहल की नगर के प्रबुद्ध और जागरूक नागरिकों ने जमकर सराहना की। लोगों का कहना है कि जब एक पिता अपने बच्चों के साथ तिरंगा लेकर अमन की गुहार लगाता है, तो वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।

कार ने बाइक और स्कूटी को मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल

सितारगंज। किच्छा हाईवे पर मंगलवार दोपहर करीब दो बजे तेज रफ्तार कार ने पहले बाइक और फिर स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, गांव कठंगरी निवासी 28 वर्षीय काजिम मलिक पुत्र इरशाद सितारगंज की एक इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत था। मंगलवार को वह स्कूटी से ड्यूटी पर जा रहा था। इसी दौरान सितारगंज की ओर से आ रही कार ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे जा गिरी। इसके बाद कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी।इसमें काजिम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार नयागांव निवासी 22 वर्षीय उवैश और 20 वर्षीय शोएब गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया गया है। एसआई राकेश सिंह ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया गया है। वहीं काजिम का विवाह नहीं हुआ था। कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। तहरीर आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी

पेज एक का शेष...

तीन नाबालिग बहनों ने ...फंसी हुई थीं। परिजन अक्सर उन्हें गेम खेलने से मना करते थे, जिससे वे नाराज रहती थीं। पुलिस तफ्तीश में पता चला है कि बच्चियों के पिता चेतन कुमार ने दो शादियां की थीं-पहली पत्नी से संतान न होने पर उन्होंने अपनी साली (पहली पत्नी की छोटी बहन) से दूसरी शादी कर ली। बाद में दोनों पत्नियों से कुल पांच बच्चे हुए। जान देने वाली तीन बहनों में निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) शामिल थीं, जिनमें से दो दूसरी पत्नी की और एक पहली पत्नी की बेटी थी। बाहर से सामान्य दिखने वाले इस परिवार के भीतर की खामोशी और रिश्तों की उलझन ने शायद बच्चियों को एकांत की ओर धकेल दिया। कोरोना काल के बाद से ही तीनों बहनों ने पढ़ाई छोड़ दी थी और पिछले दो साल से स्कूल न जाने के कारण उनका बाहरी दुनिया से संपर्क पूरी तरह कट चुका था। चेतन कुमार, जो ऑनलाइन ट्रेडिंग का काम करते हैं, ने बताया कि उन्हें सिर्फ इतना पता था कि उनकी बेटियां 'कोरियन लवर' जैसे गेम और कोरियन कंटेंट की शौकीन हैं। लेकिन पुलिस को अंदेशा है कि वे किसी ऐसे टास्क-बेस्ड गेम के जाल में थीं जिसमें कुल 50 टास्क थे। मंगलवार की रात करीब 2:15 बजे जब उन्होंने खिड़की से छलांग लगाई, तो वह कथित तौर पर उस गेम का 'आखिरी टास्क' था। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें किसी व्यक्ति का नाम तो नहीं है, लेकिन कोरियन कल्चर के प्रति उनके गहरे झुकाव का स्पष्ट जिक्र है। जांच में यह भी सामने आया है कि तीनों बहनों में से 14 वर्षीय प्राची (मंझली बहन) 'लीडर' की भूमिका में थी और बाकी दोनों बहनें उसके निर्देशों का पालन करती थीं। वे उठने-बैठने से लेकर हर काम साथ ही करती थीं। डीसीपी निमिष पाटिल और एसीपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और बच्चियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। डिजिटल फोरेंसिक टीम कॉल रिकॉर्ड्स, चैट और सोशल मीडिया हिस्ट्री खंगाल रही है ताकि उस 'ऑनलाइन ग्रुप' या 'मास्टरमाइंड' का पता लगाया जा सके जो इन्हें मौत के लिए उकसा रहा था।

देश में खुशहाली ...जैसे पर्वतीय और वन संपदा से समृद्ध राज्य के लिए बजट में 'ग्रीन एनर्जी' और 'ग्रीन इकोनॉमी' पर विशेष फोकस किया गया है। आयुष, फार्मा, हथकरघा और खादी जैसे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलने से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। उन्होंने 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप उत्तराखंड के हितों का ध्यान रखने के लिए केंद्र सरकार का आभार भी व्यक्त किया। सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर केंद्र को भेजे गए सुझावों और प्रस्तावों को इस बजट में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से शामिल किया गया है, जो 'सहकारी एवं सहयोगात्मक संघवाद' का एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह बजट उत्तराखंड को पर्यटन, निवेश और निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। प्रेस वार्ता में सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश जोशी, साकेत अग्रवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, राजेंद्र बिष्ट, विधायक बंशीधर भगत, विधायक सरिता आर्य, महेश शर्मा, अनिल कपूर डब्बू, विनीत अग्रवाल, प्रदीप जलौटी, ध्रुव रौतेला, प्रताप बिष्ट, विधायक मोहन बिष्ट, दीपा दर्मवाल और आनंद सिंह दर्मवाल सहित कई पार्टी पदाधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

रिटायर्ड शिक्षक ...लगा। 15 लाख रुपये न देने पर बृजपाल उन पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें व उनके परिवार को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दे रहा है तथा परिवार के प्रति कोई अप्रिय घटना का अंजाम भुगतने की धमकी दे रहा है। मुरारी सिंह ने बताया कि बृजपाल ने इसी हेकड़ी व दबंगई के बल पर बीते 25 अप्रैल की सुबह मुरादाबाद में उन्हें घेर लिया और उनके साथ बदतमीजी करने लगा तथा जब वह वापिस मुरादाबाद से काशीपुर से आ रहे थे तो जैसे ही ट्रेन रोशनपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो वहाँ पर भी वह उनके साथ बदतमीजी करने लगा, वह बामुश्किल काशीपुर पहुंचे। मुरारी सिंह ने बताया कि जब वह रेलवे स्टेशन से बाहर निकलकर अपने घर जाने लगे तो उन्हें स्टेशन रोड पर रोक कर बृजपाल व अन्य दो लोगों ने एक राय होकर 15 लाख रुपये की मांग की और मांग न पूरी होने पर जान से मारने की धमकी दी तथा उनके साथ गाली-गलौच करने लगा। उन्होंने बृजपाल के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। मुरारी सिंह की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुरारी सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(3), 351(3), 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

हल्द्वानी में बड़े भाई...घर के पीछे के रास्ते से अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने तत्काल अचेत और लहूलुहान सोनू को अस्पताल भिजवाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक के परिजनों की तहरीर पर हल्द्वानी कोतवाली में आरोपी संदीप जायसवाल के खिलाफ हत्या (धारा 302/आईपीसी) सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

चार घंटे में ..के नेतृत्व में पुलिस की कई टीमें गठित कीं थी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और सटीक सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त संदीप जायसवाल पुत्र स्व. लल्लन प्रसाद जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से एक अवैध 32 बोर की रिवाल्वर और 2 जिंदा कारतूस भी बरामद हुए, जिसके चलते उस पर आर्म्स एक्ट के तहत भी अलग से अभियोग पंजीकृत किया गया है। पूछताछ में आरोपी संदीप ने बताया कि वह पहले से ही एक अन्य मामले में जमानत पर चल रहा था। घर में आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी और उसके छोटे भाई सोनू की तबीयत काफी समय से खराब चल रही थी। गरीबी और तंगी के कारण भाई का इलाज न करा पाने की कुंठा और तनाव में संदीप ने उस रात शराब पी रखी थी। नशे और गुस्से में उसने स्टील के लोटे से भाई पर वार कर दिया, जो जानलेवा साबित हुआ। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी विजय सिंह मेहता, एसएसआई रोहताश सिंह सागर, चौकी प्रभारी मेडिकल रविन्द्र राणा, चौकी प्रभारी हीरानगर कृपाल सिंह, कांस्टेबल मो. अजहर और जगदीश भण्डारी शामिल रहे।

शेयर टेडिंग के नाम पर ... कई अन्य लोग भी जुड़े थे, जो लगातार आईपीओ और शेयरों में निवेश से हो रहे भारी मुनाफे के स्क्रीनशॉट साझा करते थे। इन फर्जी दावों और ग्रुप के अन्य सदस्यों के (जो संभवत: ठगों के साथी थे) कृत्रिम उत्साह से प्रेरित होकर पीड़ित ने भी निवेश करने का मन बना लिया। विश्वास जीतने के लिए ठगों ने एकांत को एक ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया। इस ऐप की विश्वसनीयता साबित करने के लिए ठगों ने गूगल प्ले स्टोर का एक लिंक साझा किया, जिससे पीड़ित को शक नहीं हुआ। ठगों के निर्देशानुसार, एकांत जैन ने 10 दिसंबर 2025 को पहली बार 50 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से स्थानांतरित किए। इसके बाद मुनाफे का लालच देकर ठगों ने उनसे किश्तों में मोटी रकम वसूलनी शुरू कर दी। 10 दिसंबर 2025 से 13 जनवरी 2026 के बीच पीड़ित ने कुल 28,85,000 रुपये ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न खातों में जमा कराए। इन खातों में एक्सिस बैंक की एमएच इंटरप्राईजेज यस बैंक मुरादाबाद, इंडसइंड बैंक की 'राईस ब्लिस ट्रेडर्स' और साउथ इंडियन बैंक जैसे संस्थानों के खाते शामिल थे। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित ने ऐप के वॉलेट में दिख रही अपनी रकम को निकालने (विड्रॉल) का प्रयास किया। जैसे ही उन्होंने निकासी के लिए आवेदन किया, ऐप ने उनके ट्रांजैक्शन पर रोक लगा दी। जब एकांत ने ग्रुप एडमिन से संपर्क किया, तो उन्होंने पैसे देने के बजाय टैक्स और अन्य शुल्कों के नाम पर और अधिक धनराशि की मांग शुरू कर दी। ठगों के इस रवैये से पीड़ित को अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत भारत सरकार के साइबर पोर्टल पर दर्ज कराई, लेकिन तकनीकी त्रुटि के कारण उनके दो परिचितों के खाते भी फ्रीज हो गए, जिन्हें अब पुलिस के माध्यम से खुलवाने की प्रक्रिया चल रही है। साइबर थाना पुलिस ने अब इस पूरे प्रकरण की गहनता से जांच शुरू कर दी है, जिसमें उन बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की ट्रेसिंग की जा रही है जिनके जरिए इस बड़ी डिजिटल डकैती को अंजाम दिया गया।

नाबालिग को ले जाने...शुरू की और अंतत: लखबीर सिंह को दबोचकर नाबालिग को बरामद कर लिया। कोतवाल ने बताया कि मामले की आगे की विवेचना अब महिला सब-इंस्पेक्टर नेहा राणा को सौंप दी गई है। नियमानुसार नाबालिग लड़की का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है ताकि मामले में पोक्सो जैसी धाराओं के तहत अग्रिम साक्ष्य जुटाए जा सकें।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

रेप व बालिका को भगाने के दो आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। थाना ट्राजिट कैम्प पुलिस टीम द्वारा दो अलग अलग मामलों में नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने वाले एवं रेप के अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे ने बताया कि क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने 20 नवम्बर 2025 को मुकदमा दर्ज कराया था कि उनकी नाबालिग पुत्री बिना बताये घर से चली गयी है।नाबालिग बालिका की तलाश हेतु सीसीटीवी कैमरो की फूटेज तथा सर्विलांश की मदद से नाबालिग बालिका को मोदी मैदान के पास से बरामद कर अभियुक्त विशाल सक्सेना पुत्र स्व. रमेश सक्सेना निवासी महुआ गुण्डे थाना सेहरामाऊ जिला पीलीभीत को मौके से गिरफ्तार किया गया । पूछताछ में नाबालिग अपहर्ता ने बताया कि अभियुक्त विशाल सक्सेना उसे

बहलाफुसला कर टोहाना (हरियाणा) ले गया था तथा आज ही वह उसको रूद्रपुर लेकर आया था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक कीर्ति भटट, उप निरीक्षक नेहा ध्यानी, अपर उप निरीक्षक भूपेंद्र कुमार, कांस्टेबल नन्दन राम व वीरेन्द्र रावत शामिल थे। निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे ने बताया कि एक अन्य मामले में 2 फरवरी को क्षेत्र निवासी एक महिला ने मुकदमा कराया था कि विपिन कुमार पुत्र धर्मवीर निवासी ग्राम हरदुआ थाना मिलक जिला रामपुर हाल निवासी आजाद नगर, वार्ड नं0-07, ट्रांजिट कैम्प द्वारा उसके साथ जबरदस्ती रेप कर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस टीम ने विपिन कुमार उपरोक्त की तलाश हेतु सीसीटीवी कैमरो की फूटेज तथा सर्विलांश की मदद से मोदी मैदान के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक कीर्ति भटट, उप निरीक्षक नेहा ध्यानी, कांस्टेबल वीरेन्द्र सिह मेहता शामिल थे।

सीबीआई ने देहरादून पुलिस से लिए दस्तावेज

देहरादून। अज्ञात वीआईपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने मंगलवार को देहरादून पुलिस से दस्तावेज लिए हैं। इस मामले में कुछ और दस्तावेज लिए जाने बाकी हैं। सीबीआई जल्द ही वसंत विहार थाने में दर्ज प्राथमिकी के वादी पद्मश्री डॉ. अनिल प्रकाश जोशी के भी बयान दर्ज कर सकती है। गौरतलब है कि गत नौ जनवरी को पद्मश्री जोशी की शिकायत पर वसंत विहार थाने में भी अज्ञात वीआईपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीबीआई जांच की संस्तुति कर दी थी। सीबीआई ने वसंत विहार थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर सोमवार को दिल्ली में सीबीआई स्पेशल क्राइम ब्रांच टू में अज्ञात वीआईपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआई की एक टीम सोमवार शाम को ही देहरादून पहुंच गई थी। सीबीआई के सूत्रों ने बताया कि टीम ने मंगलवार को देहरादून पुलिस से संपर्क किया था। कुछ दस्तावेज हासिल किए गए हैं। जबकि, कुछ और इसमें लिए जाने बाकी हैं। इस प्रकरण में सीबीआई पिछले दिनों सोशल मीडिया पर चली वीडियो का भी अवलोकन करेगी। स्थानीय पुलिस ने भी इन वीडियो को केंद्रीय फॉरेंसिक लैब चंडीगढ़ जांच के लिए भेजा हुआ है। अलावा 2022 में हत्याकांड के समय हुए आंदोलन, आरोप प्रत्यारोप और न्यायालयों को की गई शिकायतों की भी पड़ताल करेगी। सीबीआई हत्या के मुकदमे में कब्जे में लिए गए रिजॉर्ट के रजिस्टर की भी जांच करेगी।

महिला कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव शिल्पी अरोड़ा ने उत्तराखंड सरकार पर साधा निशाना

गदरपुर।ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव शिल्पी अरोड़ा ने आज गदरपुर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उत्तराखंड सरकार पर जमकर निशाना साधा। शिल्पी अरोड़ा ने कहा कि आज उत्तराखंड में न्याय व्यवस्था, किसान सुरक्षा और जनकल्याण तीनों गंभीर संकट में हैं। शिल्पी अरोड़ा ने अंकिता भंडारी मामले में सीबीआई जांच के बावजूद अधूरे न्याय पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई, जिससे पारदर्शिता पर संदेह गहराता है। उन्होंने मांग की कि सीबीआई रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, वीआईपी का नाम उजागर किया जाए और फास्ट-ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर सख्त सजा सुनिश्चित की जाए। शिल्पी अरोड़ा ने उधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में किसान सुखवंत सिंह की आत्महत्या का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि किसान ने आत्महत्या से पहले वीडियो संदेश जारी कर भूमाफियाओं, प्रशासनिक दबाव और पुलिस की निष्क्रियता के आरोप लगाए थे। शिल्पी

अरोड़ा ने मांग की कि किसान आत्महत्या मामलों में सीधी जवाबदेही तय की जाए और किसानों के लिए कर्ज सुरक्षा, कानूनी संरक्षण और आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। शिल्पी अरोड़ा ने केंद्रीय बजट 2026 पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यूरिया और उर्वरक सब्सिडी में कटौती से किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। इसके अलावा, स्वास्थ्य और शिक्षा बजट में भी वास्तविक निवेश नहीं होने से आम आदमी को परेशानी होगी। शिल्पी अरोड़ा ने सरकार के सामने कुछ मुख्य मांगें रखी हैं: अंकिता भंडारी मामले में पूर्ण और पारदर्शी न्याय, किसान आत्महत्या मामलों में सीधी जवाबदेही तय हो, किसानों के लिए कर्ज सुरक्षा, कानूनी संरक्षण और आर्थिक सहायता, उत्तराखंड के लिए विशेष कृषि व रोजगार पैकेज, स्वास्थ्य और शिक्षा में वास्तविक निवेश।शिल्पी अरोड़ा ने कहा कि जब तक इन मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक उत्तराखंड के लोगों को न्याय नहीं मिल सकता। उन्होंने सरकार से इन मांगों पर विचार करने और जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य मंत्री से मिले सांसद अजय भट्ट

किच्छा एम्स सैटेलाइट सेंटर को पूर्ण एम्स का दर्जा देने की मांग

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र के सांसद अजय भट्ट ने लोकसभा सत्र के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से भेंट कर उन्हें एक पत्र सौंपा। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने जनपद उधम सिंह नगर के किच्छा में निर्माणाधीन एम्स सैटेलाइट सेंटर को पूर्ण एम्स का दर्जा दिए जाने की पुरजोर मांग की है। अजय भट्ट ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों और जनभावनाओं को देखते हुए इस केंद्र का पूर्ण रूप से विकसित होना नितांत आवश्यक है।केंद्रीय मंत्री से वार्ता के दौरान अजय भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों की एक बड़ी आबादी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं के लिए संघर्ष करती है। पिथौरागढ़, चम्पावत, बागेश्वर और अल्मोड़ा जैसे सुदूरवर्ती जनपदों से मरीजों को किच्छा पहुँचने में ही 12 से 15 घंटे लग जाते हैं। चीन की सीमा से लगे क्षेत्रों के निवासियों के लिए यह दूरी और भी कष्टदायक है,

जिन्हें किच्छा पहुँचने में लगभग 16 से 18 घंटे का समय लगता है। यदि सैटेलाइट सेंटर में पर्याप्त उपचार नहीं मिलता, तो मरीजों को दिल्ली या देहरादून रेफर करना पड़ता है, जिससे कुल सफर 22 घंटे तक खिंच जाता है। इतने लंबे समय तक पहाड़ी रास्तों पर सफर करने के कारण कई बार मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं।सांसद ने पत्र में स्पष्ट किया कि आदि कैलाश, गुंजी, कुट्टी, नाभिढांग और पांगला जैसे दुर्गम क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए किच्छा में पूर्ण एम्स का होना जीवनदान साबित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह संस्थान केवल उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों जैसे पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर और रामपुर की बड़ी आबादी के लिए भी वरदान सिद्ध होगा। यदि किच्छा स्थित केंद्र को पूर्ण एम्स का दर्जा मिलता है, तो लाखों नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी और उन्हें इलाज के लिए महानगरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। अजय भट्ट ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया कि जनहित और क्षेत्रीय आवश्यकता को देखते हुए इस प्रस्ताव पर शीघ्र कार्यवाही की जाए।

108 श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया

किच्छा(उद संवाददाता)। पंतनगर-किच्छा विधानसभा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी द्वारा लिए गए 108 सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ के संकल्प के तहत 3 फरवरी, मंगलवार को गोलगेट नगला के समीप स्थित श्री शिव मंदिर में एक और श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन संपन्न कराया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचे और श्रद्धा भाव के साथ सुंदरकांड पाठ में भाग लेकर क्षेत्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। सामूहिक पाठ और भजन-कीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया। राम नाम के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा और आसपास का इलाका भी आध्यात्मिक

ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया। समाजसेवी अजय तिवारी ने बताया कि यह क्रम आगे भी लगातार जारी रहेगा और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंतनगरख्रकिच्छा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे सामाजिक सौहार्द और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ाने वाला प्रयास बताया।

कोतवाली पुलिस ने दो वारंटियों को दबोचा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिलेभर में वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली रुद्रपुर पुलिस को सफलता मिली है। रम्पुरा चौकी पुलिस ने अलग-अलग मामलों में वांछित चल रहे दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।चौकी प्रभारी रम्पुरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कोर्ट से जारी वारंट के आधार पर दबिश देकर नरोत्तम गोसाई पुत्र जयंती गोसाई, निवासी वार्ड नंबर 20 भूत बंगला रुद्रपुर और गुरबचन सिंह उर्फ मोनू पुत्र हरभजन सिंह, निवासी फाजलपुर महरौला रुद्रपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार नरोत्तम गोसाई के खिलाफ केस संख्या 485/2021 के तहत मारपीट और गाली-गलौज सहित विभिन्न धाराओं में मामला विचाराधीन है। वहीं

गुरबचन सिंह उर्फ मोनू के खिलाफ केस संख्या 670/2017 में चोरी और चोरी का माल बरामद होने से संबंधित धाराओं में कोर्ट में सुनवाई चल रही है।दोनों ही आरोपी लंबे समय से न्यायालय में नियत तारीखों पर उपस्थित नहीं हो रहे थे, जिसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी किए थे। पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर दोनों को उनके ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में चौकी प्रभारी रम्पुरा कविंद्र शर्मा, कांस्टेबल महेंद्र कुमार और गणेश सिंह धानिक सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।